CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-06
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार, 10 अप्रैल 2024

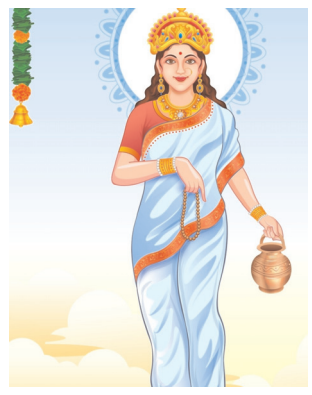

वृषारुढ़ां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम् या वन्दे वंचित लाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम्।
वृषारूढं शूलधरं शैलपुत्री यशस्विनी

आज का विचार

जिंदगी में सबसे बड़ा धनवान वो इंसान होता है, जो दूसरों को अपनी मुस्कुराहट देकर उनका दिल जीत लेता है।

आईबी की रिपोर्ट के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को जेड सिक्योरिटी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार को केंद्र सरकार ने जेड सिक्योरिटी दी है। सूत्रों के मुताबिक, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की खुफिया रिपोर्ट के बाद गृह मंत्रालय ने मंगलवार को उनकी सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, सीआरपीएफ की 40-45 जवानों की टुकड़ी अब 24 घंटे राजीव कुमार की सुरक्षा में तैनात रहेगी। दिल्ली से बाहर जाने के दौरान भी उनकी सुरक्षा में ये सशस्त्र कमांडो साथ रहेंगे। 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव शुरू होने से ठीक पहले गृह मंत्रालय ने ये कदम उठाया है। सूत्रों के मुताबिक, राजनीतिक दलों के हालिया प्रदर्शन और विदेश से मिल रही धमकियों को देखते हुए राजीव कुमार की सुरक्षा बढ़ाई गई है। राजीव कुमार 1984 बैच के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने 15 मई 2022 को 25वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला। उन्हें 1 सितंबर, 2020 को चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था।

केजरीवाल को झटका, गिरफ्तारी को गैर कानूनी ठहराने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की गिरफ्तारी और हिरासत को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि याचिका जमानत के लिए नहीं है। याचिका में याचिकाकर्ता ने हिरासत को गलत बताया है। याचिका में हिरासत को चुनौती दी गई है। यह फैसला जस्टिस स्वर्ण कांत शर्मा ने सुनाया। कोर्ट ने कहा कि दस्तावेज के मुताबिक केजरीवाल साजिश में शामिल हैं। गवाहों पर शक करना कोर्ट पर शक करने जैसा है। मुख्यमंत्री को विशेषाधिकार नहीं है। जांच, पूछताछ से सीएम को छूट नहीं मिलेगी। कोर्ट ने कहा कि ईडी के पास पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। हाईकोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पद से हटाने की मांग को लेकर याचिका दायर करने वाले आम आदमी पार्टी (आप) के एक पूर्व विधायक संदीप कुमार को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने कहा इसी मुद्दे पर पहले ही दो याचिकाएं खारिज की गई हैं और यह मात्र प्रचार पाने के लिए है। ऐसे में उन पर भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

चार महीने में ही 70 से 75 हजार के करीब पहुंचा सेंसेक्स

मुंबई। सेंसेक्स ने मंगलवार को पहली बार 75,000 अंक का स्तर पार करने के बाद एक और मील का पत्थर हासिल कर लिया। बीएसई सेंसेक्स इससे पहले 11 दिसंबर, 2023 को पहली बार 70,000 का स्तर पार कर गया था। वहां से 75 हजार का मनोवैज्ञानिक स्तर पार करने में इंडेक्स को केवल चार महीने लगे। हालांकि बाजार बंद होते समय मंगलवार को सेंसेक्स 58.80 (0.07त्न) अंक फिसलकर 74,683.70 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 23.55 (0.10त्न) अंक कमजोर होकर 22,642.75 के लेवल पर बंद हुआ। चार महीने के दौरान 30 शेयरों के सूचकांक सेंसेक्स में शामिल कंपनियों के संयुक्त बाजार पूंजीकरण में 11,90,638 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल लिमिटेड और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में से प्रत्येक शेयर ने सेंसेक्स के मार्केट कैप में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का योगदान दिया। टाटा समूह के दो शेयर टाटा मोटर्स लिमिटेड और टाटा स्टील लिमिटेड इस अवधि के दौरान सबसे अधिक बढ़त हासिल करने वाले पांच शेयरों में शामिल रहे। सबसे अधिक बढ़त हासिल करने वाले अन्य शेयरों में सन फार्मास्युटिकल्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एनटीपीसी का नाम शामिल हैं।

मप्र में तीन दिन में दूसरा दौराः बालाघाट से विरोधियों पर पीएम मोदी की गरजना

मैं गीदड़ भभकियों से डरने वाला नहीं

बालाघाट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवरात्रि के पहले दिन बालाघाट में चुनावी रैली को संबोधित किया। प्रधानमंत्री के मंच पर पहुंचने के बाद महिलाओं ने उनका स्वागत किया। मध्यप्रदेश में तीन दिन के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरी बार आए हैं। बालाघाट लोकसभा सीट पहले ही चरण में चुनाव है। बीजेपी ने बालाघाट से भारती पारधी को प्रत्याशी बनाया है। पीएम मोदी ने लोगों को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती और अवंतिबाई की धरती को मैं प्रणाम करता हूं। जनसैलाब को देखकर मुझे ऐसा लग रहा है कि केसरिया सागर नजर आ रहा है। माताओं-बहनों के आशीर्वाद से साफ दिख रहा है कि मध्यप्रदेश में क्या परिणाम आने वाला है। आप लोगों ने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को पूरी तरह से साफ कर दिया है।

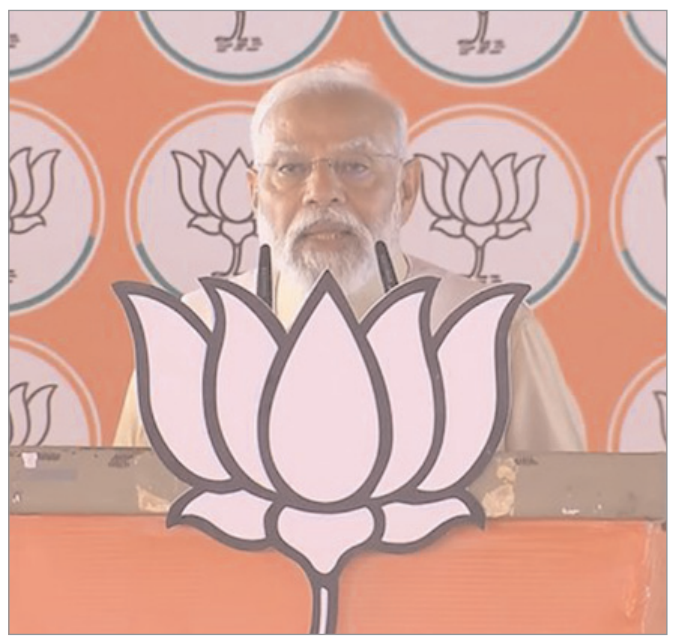

उन्होंने मंच से कहा, जय श्री कोटेश्वर महादेव, जय मां काली, जय मां गढ़कालिका, आज देश के विभिन्न हिस्सों में नववर्ष मनाया जाता है। आज नवरात्रि का भी आरंभ हुआ है। मैं आप सभी को नववर्ष की और नवरात्रि की अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं। बालाघाट की धरती भारत की नारी शक्ति के पराक्रम की साक्षी है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लोग बीजेपी से नहीं लड़ रहे, वह एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। मैं गीदड़ भभकियों से डरने वाला नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव भारत की 21वीं सदी का है। यह नए भारत के निर्माण का मिशन है। यह विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को नई उर्जा देने वाला चुनाव है। पहले कांग्रेस की सरकार अपनी समस्याएं लेकर दूसरे देशों के पास जाती थी। अब दूसरे देश के लोग अपने मुद्दों पर बात करने हमसे आते हैं। वहीं सीएम मोहन यादव ने मंच से संबोधित करते हुए सरकार के कामों को गिनाए। मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार जो कहती है, उसे पूरा करते हैं। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा कर रहे हैं।

मोदी मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमें देश को बहुत आगे लेकर जाना है। आपलोगों ने मेरी जिंदगी को देख है। मोदी मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ है। मोदी मेहनत करता है क्योंकि उसके लक्ष्य बहुत बड़े हैं। ये मेहनत मैं इसलिए कर रहा हूं।

अभी तक के काम फुलझड़ी उन्होंने कहा कि हमने जो अभी तक काम किए हैं, वो फुलझड़ी है। भारत को ऊंचे लक्ष्य तक ले जाना है। भारत के सामर्थ्य की दिवाली मननी अभी बाकी है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम गरीबों को वरीयता देते हुए काम कर रहे हैं। पहले 10 फीसदी घरों में पाइप से पानी पहुंचता था। हम इतने कम समय में नल से घरों तक पानी पहुंचाया है।

महाकाल का भक्त हूं पीएम मोदी ने कहा कि मोदी महाकाल का भक्त है। मैंने देश विरोधी ताकतों को अंजाम तक पहुंचाने के लिए सीखा है। हम इन गीदड़ भभकियों से नहीं डरते हैं। इंडी गठबंधन के लोग मोदी से चिढ़े हुए हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर ये लोग मोदी को गाली देते हैं। सनातन धर्म को समाप्त करने की सौगंध खाकर इंडी गठबंधन के लोग मैदान में उतरे हैं। इनकी पार्टियों के पास से सैकड़ों करोड़ों रुपए कैश मिल रहे हैं। कांग्रेस के लोग भ्रष्टाचारियों को बचाने में जुटे हैं। मैं आपको गारंटी देता हूं कि भ्रष्टाचार का पैसा जिन-जिन तिजोरी में गया है, मैं उसे निकालकर रहूंगा। अगले पांच साल और तेजी से यह काम होगा।

अभी तो यह केवल ट्रेलर है - पीएम मोदी ने कहा कि जो काम अभी हुए हैं, वे सारे केवल ट्रेलर हैं। अभी बहुत कुछ करना है। देश को बहुत आगे लेकर जाना है। आप यानी जनता मेरी जिंदगी को बहुत अच्छे से जानती है। मोदी मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ है, मोदी मेहनत करता है, क्योंकि उसके लक्ष्य बहुत बड़े हैं। ये देश के लिए है, देश की जनता के उज्जवल भविष्य के लिए है। मोदी ने अभी तक जो काम किया है वो केवल फुलझड़ी है। बीजेपी सरकार वंचितों को वरीयता देते हुए काम कर रही है। एमपी में 5.50 करोड़ जरूरतमंदों को मुफ्त राशन दे रहे हैं। एमपी में 70 लाख घरों में नल से जल की व्यवस्था कर दी है।

ये चुनाव नए भारत का मिशन पीएम मोदी ने कहा कि ये चुनाव नए भारत का मिशन है। विधानसभा चुनाव में जनता ने कांग्रेस को साफ कर दिया। कांग्रेस सरकार अपनी शिकायत लेकर दूसरों के पास जाती थी, अब जो देश आपस में लड़ रहे हैं, हल खोजने भारत आते हैं। कांग्रेस के मन में आजादी के आंदोलन का अहंकार भरा पड़ा था। कांग्रेस कहती थी हम तो गरीब देश हैं कि देश को आधुनिक सड़कों की एयरपोर्ट की आखिर क्या जरूरत है? कांग्रेस केवल कुछ शहरों, जहां उनके बड़े नेता रहते थे वहां का विकास करती थी। बीजेपी सरकार हम जगह को प्राथमिकता दे रही है, बीजेपी सरकार एमपी का कायाकल्प कर रही है।

चैत्र नवरात्रि के पहले दिन मां शारदा मंदिर पहुंचे सीएम मोहन यादव

मैहर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को चैत्र नवरात्रि के पहले दिन मैहर स्थित मां शारदा मंदिर में दर्शन पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेश और देशवासियों के सुखी, स्वस्थ और समृद्ध होने की कामना है। मैहर जिले में नवरात्र के प्रथम दिन मां शारदा मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। मां के दर्शन के लिए भोर से ही श्रद्धालुओं तांता लग गया। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के सभी देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने मां शारदा की उपासना कर व्रत उपवास शुरू किया।

मैहर रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 2081 पिंगल नव संवत्सर की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शक्ति का यह पर्व है, नवरात्रि के पावन पर्व पर हम सब कामना करें। विक्रम संवत का आज का दिन, नए वर्ष का पहला दिन हम सभी के जीवन में मंगल ही मंगल करे, ऐसी मैं कामना करता हूं। चुनाव अभियान में मोदी जी की उपस्थिति प्रदेश को नई ताकत, संबल, ऊर्जा देगी। जिस प्रकार से पूरा देश और प्रदेश मोदीमय हुआ है, उसी कड़ी में मध्यप्रदेश और जोर शोर से अपने अभियान में लगेगा। जिस प्रकार से जनता का आशीर्वाद दिख रहा है, वो निश्चित रूप से मोदी जी को मिलेगा। सब जानते हैं शक्ति के मामले में, खासकर महिलाओं के मामले में कांग्रेस की दृष्टि और कांग्रेस की भाषा क्या रहती है? कांग्रेस के दिग्गज नेताओं पर तंज कसते हुए सीएम ने कहा कि शक्ति का प्रताप है कि बड़े-बड़े दिग्गज अपने अपने घर से, लोकसभा क्षेत्र से नहीं निकल पा रहे हैं। अपने क्षेत्र में ही सीमित हो गए हैं।

मंत्रोच्चार के साथ देवी ने धारण किए नए वस्त्र- चैत्र नवरात्रि के पहले दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सुबह 11.30 बजे त्रिकूट पर्वत पर स्थित मां शारदा की पूजा-अर्चना की। वहां मौजूद पंडितों ने मां का शृंगार किया। मंत्रोच्चार के साथ माता जी को नया वस्त्र धारण कराया। मुख्यमंत्री यादव ने विश्व कल्याण के लिए मां शारदा से प्रार्थना की। मां शारदा देवी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला, प्रतिमा बागरी, सतना सांसद गणेश सिंह, मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने उपस्थित रहे।

नवरात्रि के पहले दिन उमड़ी भीड़- मैहर के त्रिकूट पर्वत पर विराजीं मां शारदा के मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए चैत्र नवरात्रि के पहले दिन बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। मंगलवार सुबह पट खुलने के बाद यहां विशेष आरती हुई। पुजारी पवन महाराज ने जगत जननी मां की आरती उतारी। फिर माता शारदा के दर्शन के लिए लंबी लाइनों में खड़े भक्तों ने माथा टेककर मातेश्वरी की कृपा प्राप्ति की कामना की। अनुमान है कि नौ अप्रैल से 18 अप्रैल तक चलने वाले चैत्र नवरात्रि मेले में 10 लाख से अधिक श्रद्धालु माता शारदा के दर्शन के लिए मैहर पहुंचेंगे।

उमरिया में नदी पार कर 87 वर्षीय पुनिया बाई के घर पहुंचे मतदान दल के सदस्य

उमरिया। हर मतदाता है महत्वपूर्ण हर वोट है जरूरी इसकी बानगी दिखी। उमारिया जिले में 85 प्लस के होम वोटिंग के दौरान जब जिले के 89 बंधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्र बिछिया पहुंचे। मतदान केंद्र क्रमांक 270 बिछिया के ग्राम छुइली टोला की 87 वर्षीय पुनिया बाई के घर सेक्टर अधिकारी अतुल वाजपेयी के साथ मतदान दल रामचरण कोल, ज्ञानचंद्र झारिया एवं माइक्रो आब्जर्वर प्रवण राणा, पुलिस अधिकारी अनिल सिंह परिहार पहुंचे।भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 85 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं एवं दिव्यांग मतदाताओं को होम वोटिंग कराने की सुविधा दी गई है। पुनिया बाई ने होम वोटिंग के लिए प्रारूप 12 डी में अपना आवेदन प्रस्तुत किया था। होम वोटिंग की टीम मतदान के लिए नदी को पार कर लगभग 1 किमी की पैदल यात्रा करते हुए उनके घर पहुंची और ईसीआई के निर्देशानुसार डाक मत पत्र द्वारा उनका पुनिया बाई का मतदान सुनिश्चित किया गया। मतदान के पश्चात पुनिया बाई के चेहरे पर असीम हर्ष और सन्तोष परिलक्षित हो रहा था। मतदान कराने के पश्चात जब मतदान दल एआरओ आफिस पहुंचा तो एसडीएम बांधवगढ एवं एआरओ रीता डेहरिया, तहसीलदार चंदिया कर्तव्य अग्रवाल ने फूल माला से मतदान दल का स्वागत किया।

स्काईमेट ने लगाया इस साल सामान्य मानसून का अनुमान

नई दिल्ली। मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली एजेंसी स्काईमेट ने मंगलवार को मानसून का अनुमान जाहिर किया। स्काईमेट के मुताबिक, 2024 में मानसून सामान्य रहेगा। एजेंसी ने मानसून सीजन के 102 प्रतिशत (5 प्रतिशत प्लस-माइनस मार्जिन) रहने की संभावना जाहिर की है। जून से सितंबर तक चलने वाले 4 महीने के मानसून सीजन के लिए औसत (एलपीए) 868.6 मिमी है। स्काईमेट के मैनेजिंग डायरेक्टर जतिन सिंह ने कहा कि शुरुआत में अल-नीनो का असर रहेगा, पर दूसरे हाफ में इसकी भरपाई हो जाएगी। इस साल स्काईमेट ने दूसरी बार मानसून का पूर्वानुमान जारी किया है। इससे पहले 12 जनवरी 2024 को भी स्काई मेट ने मानसून के सामान्य रहने की संभावना जाहिर की थी। स्काईमेट के मुताबिक, अलनीनो काफी तेजी से ला नीना में बदल रहा है। यह अच्छा संकेत है। अलनीनो का ला नीना में बदलना अच्छे मानसून का कारण बनता रहा है। हालांकि, मानसून की शुरुआत में अल नीनो के बचे कुचे असर के कारण मानसून पर थोड़ा असर पड़ सकता है, लेकिन दूसरे चरण में मानसून भरपाई कर लेगा।

सूर्य अभिषेक- अयोध्या में राम जन्मोत्सव को लेकर सूर्य तिलक का वैज्ञानिकों ने किया सफल ट्रायल

रामनवमी पर रामलला के मस्तक पर चार मिनट पड़ेंगी सूर्य की किरणें

अयोध्या। रामनवमी के अवसर पर होने वाले रामलला के सूर्य तिलक का ट्रायल सफल हो गया है। अब यह तय हो गया है कि 17 अप्रैल को राम जन्मोत्सव के दिन दोपहर में ठीक 12.00 बजे राम लला का सूर्य अभिषेक किया जाएगा। मंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल राव ने बताया कि कुछ दिन पहले सूर्य तिलक के लिए वैज्ञानिकों ने उपकरण गर्भगृह के ठीक ऊपर तीसरी मंजिल पर लगाए थे। रविवार को मध्यान्ह आरती के बाद पहला ट्रायल हुआ तो किरणें रामलला के होठों पर पड़ीं फिर लेंस को दोबारा सेट कर सोमवार को ट्रायल हुआ तो किरणें मस्तक पर पड़ीं। इससे

रामनवमी पर सूर्य तिलक का आयोजन अब तय माना जा रहा है।

गर्भगृह के ठीक ऊपर लगाए उपकरण- मंदिर के पुजारी अशोक उपाध्याय के मुताबिक कुछ दिन पहले सूर्य तिलक के लिए वैज्ञानिक उपकरण गर्भगृह के ठीक ऊपर तीसरी मंजिल पर उपकरण लगाए गए हैं। रविवार को दोपहर की आरती के बाद पहला ट्रायल हुआ तो किरणें रामलला के होठों पर पड़ीं। फिर लैंस को दोबारा सेट कर सोमवार को ट्रायल हुआ तो किरणें मस्तक पर पड़ीं। इससे रामनवमी पर सूर्य तिलक का आयोजन अब तय माना जा रहा है।

100 एलईडी स्क्रीन्स से पूरे अयोध्या में होगा प्रसारण- तीन दिन पहले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा था कि रामनवमी पर सूर्य तिलक की तैयारी है। इसका प्रसारण 100 एलईडी स्क्रीन्स से पूरे अयोध्या में होगा। इससे पूर्व ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा था कि इस बार सूर्य तिलक संभव हो पाना मुश्किल है।

गर्भगृह में ऐसे पहुंचेंगी किरणें आईआईटी रुड़की के सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट ने यह सिस्टम बनाया है। प्रोजेक्ट के वैज्ञानिक देवदत्त घोष के मुताबिक यह सूर्य के पथ बदलने के सिद्धांतों पर आधारित है। इसमें एक रिफ्लेक्टर, 2 दर्पण, 3 लेंस, पीतल पाइप से किरणें मस्तक तक पहुंचेंगी।

गियर सेकेंड्स में बदलेंगे किरणों की चाल -सीबीआरआई के वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप चौहान ने बताया कि रामनवमी की तारीख चंद्र कैलेंडर से तय होती है। सूर्य तिलक तय समय पर हो, इसीलिए सिस्टम में 19 गियर लगाए हैं, जो सेकंड्स में दर्पण और लेंस पर किरणों की चाल बदलेंगे। बैंगलुरु की कंपनी ऑप्टिका ने लेंस और पीतल के पाइप बनाए हैं। चंद्र और सौर कैलेंडरों के बीच जटिल अंतर की समस्या का हल इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स ने निकाला है।

सिंगल कॉलम

इंदौर में कार चालक ने पहले पिता-पुत्र को टक्कर मारी

इंदौर। एबी रोड़ पर तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार (रेपिडो चालक) की जान ले ली। कार ने ऐसी टक्कर मारी कि रेपिडो वाला आठ फीट उछल गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।कार चालक ने इसके पूर्व बाइक से जा रहे पिता-पुत्र को टक्कर मारी थी। दोनों को गहरी चोट आई है। उनका एमवाय अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से कार व चालक को ढूंढ रही है। घटना एबी रोड़ स्थित महिंद्रा कार शोरूम के सामने मंगलवार रात करीब एक बजे की है। सफेद रंग की कार ने देवास नाका की ओर से आई थी। सबसे पहले कार ने नई सड़क के समीप बाइक से जा रहे लालूराम और उसके बेटे करण को टक्कर मारी। दोनों दूर जाकर गिरे। कार वाला रुका नहीं बल्कि ज्यादा तेज चलाते हुए एबी रोड़ की तरफ भागा। आगे जाकर उसने चालक रतन पुत्र छोटेलाल सूर्यवंशी निवासी खातीपुरा (नार्थ तोड़ा) को टक्कर मारी। रतन रेपिडो में डिलीवरी ब्वाय की नौकरी करता था। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि वह उछलकर गिरा और सिर में चोट लगने से उसकी मौत हो गई। राहगिरों ने उसे अस्पताल भिजवाया लेकिन डाक्टर ने भी मौत की पुष्टि कर दी।सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और मर्ग कायम किया। कार के बारे में जानकारी नहीं मिली है। पुलिस के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज से कार को तलाशा जा रहा है। लालूराम मुलत खरगोन जिले का रहने वाला है। वह ओमेक्स सिटी में चौकीदार करता है। सुबह लोगों ने उसके घर की जानकारी जुटाई और पत्नी पारो को खबर दी। रतन के बारे में बताया कि वह दिन में रेडिमेड कपड़ों की दुकान पर नौकरी करता था और रात में रेपिडो चलाता था। परिवार में कमाने वाला इकलौता व्यक्ति था।

व्हाइटनर और रिमूवर के नशे में डूबे बच्चों को ढूंढेगी इंदौर पुलिस

***इंदौर।** नशे में डूबे बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने की पहल हो रही है। पुलिस-प्रशासन ने ऐसे बच्चों को ढूंढना शुरू कर दिया है। कुछ जगह भिक्षावृत्ति में लिप्त महिलाएं छोटे बच्चों को सुलेशन और व्हाइटनर के नशे की लत लगाकर अपराध करवा रही हैं। पुलिस ने ऐसे स्थान और लोगों को चिन्हित करना शुरू कर दिया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) अमित सिंह के मुताबिक, पिछले दिनों मल्हारगंज थाना पुलिस ने दो बच्चों को पकड़ा जो नशे में थे। पूछताछ में पता चला कि दोनों को व्हाइटनर और सुलेशन सूंघने की आदत है। नशीली सामग्री सराफा थाना क्षेत्र स्थित वाघमारे के बगीचे में रहने वाली एक महिला सप्लाई कर रही है जो भिक्षावृत्ति में लिप्त है। एडिशनल सीपी के मुताबिक, पुलिस ने तय किया कि शहर में ऐसे ठीए चिन्हित किए जाएंगे, जहां बच्चों को नशा मिलता है। नगरीय सीमा के थाना प्रभारी ऐसे बच्चों को ढूंढेंगे जिन्हें नशे की लत लग चुकी है। कलेक्टर की मदद से इन बच्चों के उपचार और शिक्षा की व्यवस्था करवाई जाएगी। एडिशनल सीपी के मुताबिक बच्चों की काउंसलिंग की तो पता चला कि शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में सुलेशन, व्हाइटनर, बाम, नेल पालिश रिमूवर, कफ सिरप, पेट्रोल की गंध, थिनर, इंजेक्शन जैसे पदार्थों का सेवन करते हैं, जिनसे फेफड़े खराब होते हैं। बच्चों ने बताया कि नशीले पदार्थ खरीदने के लिए छोटी-मोटी चोरी करते हैं। इसके बाद कहीं से भी गाड़ी चुरा लेते हैं। जब तक पेट्रोल खत्म नहीं होता चलाते हैं। यह अपराध की शुरुआत की अवधि है। पुलिस ऐसे बच्चों की न सिर्फ काउंसलिंग करेगी, बल्कि एक फार्म भरा जाएगा, जिसमें उनकी संपूर्ण जानकारी दर्ज होगी। निमाड़ से गांजा, राजस्थान से अफीम सप्लाई अपराध शाखा ने पिछले वर्ष 152 तस्करों को पकड़ा और विभिन्न थानों में 87 केस दर्ज किए। इन प्रकरणों में तीन करोड़ से ज्यादा की ब्राउन शुगर, एमडीएमए, चरस, गांजा, स्मैक, अल्प्राजोलम व डोडा चूरा जब्त किया। जांच में पता चला कि गांजे की धार, खंडवा, खरगोन (निमाड़) से सप्लाई हो रही है। किसान कपास की खेती के बीच गांजा उगाते हैं। स्मैक, डोडा चूरा, एमडी, अफीम की सप्लाई मंदसौर, प्रतापगढ़ से हो रही है।*

इलाज में लापरवाही से हुई महिला की मौत

इंदौर। महिला के उपचार में लापरवाही बरतना डाक्टर और अस्पताल को भारी पड़ गया। लापरवाही के चलते महिला की मौत हो गई थी। जिला उपभोक्ता आयोग ने डाक्टर और अस्पताल को आदेश दिया है कि वे महिला के पति को क्षतिपूर्ति के रूप में 10 लाख रुपये दें। भुगतान 30 दिन के भीतर करना होगा अन्यथा इस राशि पर आठ प्रतिशत की दर से ब्याज भी लगेगा। आयोग ने परिवाद व्यय के रूप में 10 हजार रुपये अलग से देने को भी कहा है। प्रजापत नगर निवासी सुषमा डगांवकर 22 जून 2017 को पेट के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत के बाद डा. चंद्रश्री अग्रवाल के रामचंद्र नगर स्थित क्लीनिक पहुंची थीं। डा. अग्रवाल ने उनसे कहा कि उनके यूटेरस में संक्रमण हो गया है और इसे निकालना पड़ेगा। इसके लिए उन्हें एयरपोर्ट रोड स्थित गीतांजलि अस्पताल में भर्ती किया गया। 24 जून 2017 को आपरेशन के बाद 25 जून को सुषमा के पेट में तेज दर्द होने लगा।

इस पर डा.अग्रवाल ने उन्हें दूसरे डाक्टर को दिखाने की सलाह दी और दूसरे अस्पताल में रैफर कर दिया।

जीएसटी में पहली बार, दोबारा दाखिल करने होंगे रिटर्न

सिटी चीफ इंदौर।

जीएसटी काउंसिल और सरकार व्यापारियों के रिटर्न में त्रुटि सुधार या संशोधन की अनुमति नहीं देती, लेकिन अब व्यापारियों को फिर से रिटर्न दाखिल करने के लिए कहा जा रहा है। जीएसटी काउंसिल की ओर से मंगलवार को ऐसी सूचना जारी की गई है। जीएसटी लागू होने के बाद सात वर्षों में यह पहला मौका है जब पहले दाखिल किए रिटर्न फिर से दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। जीएसटी नेटवर्क की गड़बड़ी और कारोबारियों के पुराने रिटर्न का डाटा आनलाइन सिस्टम में बदलने के चलते यह निर्णय लिया गया। जीएसटी की प्रणाली में पेचीदगी और साफ्टवेयर की खामियों को लेकर देशभर के व्यापारी लगातार आवाज उठा रहे हैं। पहली बार जीएसटी काउंसिल को इस कमी को स्वीकार भी करना पड़ा है। काउंसिल की ओर से प्रदेश के सैकड़ों व्यापारियों के पास ई-मेल पहुंचा है कि बीते महीने में भर चुके मासिक रिटर्न फार्म (3-बी) को वे फिर से दाखिल करें। हालांकि जीएसटी काउंसिल की ओर से सूचना दी गई है, यह रिटर्न सिर्फ उन्हीं व्यापारियों को दोबारा दाखिल करना है जिनके पास काउंसिल की ओर से इस बारे में ई-मेल पहुंचा है। पंजीकृत व्यापारी अपना-अपना ई-मेल आइडी खोल कर देंगे। जिन्हें ई-मेल प्राप्त हुआ है वे इस ई-मेल मिलने के 15 दिन के भीतर अपना रिटर्न फिर से दाखिल कर दें। साथ ही ई-मेल में संबंधित व्यवसायी को उस रिटर्न व माह की जानकारी भी दी गई है जिसे दोबारा दाखिल करना है। जीएसटी काउंसिल के अनुसार ऐसा इसलिए करना पड़ रहा है कि जीएसटी ग्रीवान्स एंड रिड्रेसल कमेटी को कई कारोबारियों में शिकायत भेजी थी। शिकायत की जांच के बाद कमेटी ने साफ्टवेयर की त्रुटि की ओर संकेत किया है। इस आधार पर दोबारा रिटर्न दाखिल करने के लिए कहा जा रहा है।

रिटर्न में बदल गए आंकड़े

जीएसटी लागू होने के बाद कई बार यह परेशानी देखी जाती रही है कि व्यापारी अपने रिटर्न में जो आंकड़े दाखिल करते हैं और सेव करने तक वहीं दिखते हैं। रिटर्न दाखिल के बाद आनलाइन पोर्टल पर जब आंकड़े अपलोड होते हैं तो वे बदल जाते हैं। इससे कई व्यापारियों को परेशानी होती है। कर सलाहकार आरएस गोयल के अनुसार कुछ व्यवसायी इस संबंध में अपने स्तर पर कसमसाकर रह जाते हैं। कुछ एक व्यापारी होते हैं जो जीएसटी काउंसिल को शिकायत करते हैं। जीएसटी के शुरुआती वर्षों से अब तक लगातार ऐसा होता रहा है। बीते दिनों भी वास्तविक रूप से जो डाटा जीएसटी पोर्टल पर अपलोड हुआ है वह कुछ अलग ही हो गया। बहुत से व्यापारियों ने आनलाइन शिकायत दर्ज करवाकर उसका टिकट (रसीद) भी हासिल की थी। ताजा सूचना के अनुसार दोबारा रिटर्न दाखिल करने के लिए भी इन ही व्यापारियों को मौका दिया जा रहा है जिन्होंने आधिकारिक शिकायत की थी। काउंसिल ने इसकी संख्या जाहिर नहीं की है। व्यक्तिगत रूप से व्यवसायियों को ई-मेल भेजे जा रहे हैं। इनसे किसी तरह का विलंब शुल्क या पेनाल्टी आदि नहीं लिया जाएगा। खास बात ये है कि बार-बार मांग के बावजूद जीएसटी काउंसिल व सरकार ने रिटर्न में त्रुटि सुधार व संशोधन की मांग स्वीकार नहीं की है। इसके बाद कई व्यवसायियों ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक याचिका दायर की है। इस याचिका पर भी अभी निर्णय आना लंबित है।

लोकसभा चुनावों में मीडिया पर भी रहेगी नजर, 70 विशेषज्ञ टीमें करेंगी निगरानी

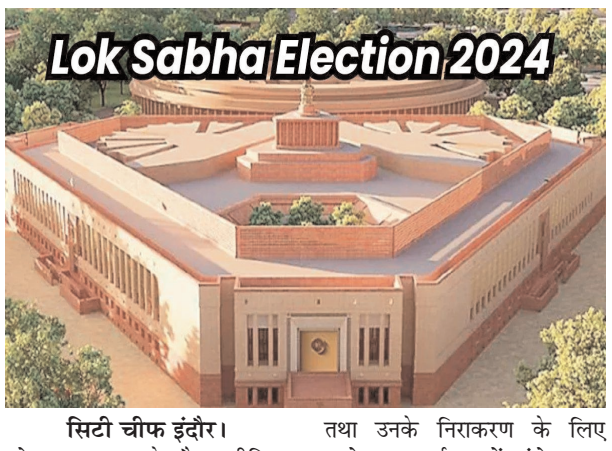

सिटी चीफ इंदौर।

लोकसभा चुनाव के दौरान मीडिया की खबरों पर निगरानी के लिए मीडिया मानिटरिंग प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। 70 विशेषज्ञों की टीमें तीन पारियों में मीडिया प्रकोष्ठ में मौजूद रहकर प्रिंट, इलेक्ट्रानिक एवं सोशल मीडिया की खबरों की निगरानी करेंगी। प्रसारित होने वाले वाले विज्ञापनों के लिए पूर्व में अनुमति लेना होगी। प्रिंट मीडिया के संबंध में मतदान प्रारंभ होने के 48 घंटे पहले तक की अवधि में प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों के लिए पूर्व में अनुमति लेना होगी। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में हुआ। कार्यशाला में निर्वाचन के दौरान विज्ञापनों, समाचारों और पेड न्यूज पर सतत निगरानी रखने के लिए की गई व्यवस्थाओं संबंध में जानकारी दी गई। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि निर्वाचन संबंधी शिकायतों को प्राप्त करने तथा उनके निराकरण के लिए कलेक्टर कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया है। इस कंट्रोल रूम में आनलाइन सी विजिल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का भी निराकरण किया जा रहा हैं। इस अवसर पर बताया गया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचरण संहिता लागू है। टीम में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों, विभिन्न विभागों के इंजिनियरों, अन्य अधिकारी-कर्मचारियों, विशेषज्ञों सहित लगभग 70 लोगों की सेवाएं ली जा रही हैं। प्रकोष्ठ की टीमों द्वारा खबरों की सतत निगरानी की जायेगी। यह कार्य प्रतिदिन तीन पारियों में सुबह छह से दोपहर 2 बजे तक, दोपहर 2 से रात्रि 10 बजे तक और रात्रि 10 से अगले दिन सुबह छह बजे तक निरंतर किया जाएगा। समाचार पत्र, पत्रिकाओं में प्रकाशित समाचारों एवं मीडिया रिपोर्ट्स की निगरानी एवं कतरनों के संधारण कार्य के लिए भी अलग टीम सुबह छह से शाम 6 बजे तक कार्य करेगी।

चुनाव में लोक परिवहन के वाहन रहेंगे मुक्त स्कूल-कालेजों की बसें होंगी अधिगृहीत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर जिले में लोकसभा चुनाव के लिए वाहनों को अधिगृहित करने की प्रक्रिया परिवहन विभाग द्वारा शुरू कर दी गई है। लोकसभा चुनाव में यात्री बसों को अधिगृहित नहीं किया जाएगा। इस बार भी विधानसभा चुनाव की तरह स्कूल और कालेज बसों से आवश्यकता की पूर्ति की जाएगी। मालवा-निमाड़ क्षेत्र में एक ही चरण में मतदान होना है। ऐसे में यात्री बसें अधिगृहीत नहीं होने से यात्री एक जिले से दूसरे जिले में जाकर आसानी से मतदान कर सकेंगे।

इंदौर जिले की सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों के 2677 पोलिंग बूथों पर मतदान दलों को पहुंचाने और अन्य कार्यों के लिए करीब 1160 वाहनों की जरूरत होगी। इसमें 710 बसें, 410 कारें, 20 ट्रक और 20 वैन शामिल हैं। परिवहन विभाग ने इन वाहनों के अधिग्रहण की तैयारी शुरू कर दी है। वाहनों की सूची बनाकर नोटिस भेजे जा रहे हैं। इसबार भी पोलिंग बूथों पर मतदान दलों को पहुंचाने के लिए बसों का उपयोग किया जाएगा। बसों की जरूरत की पूर्ति स्कूल और कालेज से की होगी। वैसे भी मई में स्कूलों की छुट्टी होने से संचालकों को बसें भेजने में परेशानी नहीं होगी।कारों का पहले होगा अधिग्रहण जिले में मतदान कार्य के लिए 410 कारें अधिगृहीत की जाना हैं। इन कारों की जरूरत अप्रैल से ही जिला निर्वाचन कार्यालय को होगी। निर्वाचन का कार्य देख रहे आब्जर्बर, सेक्टर अधिकारियों और अन्य अधिकारियों को कारें दी जाना है। इन कारों का अधिग्रहण अप्रैल से ही होगा। इसके लिए ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से कारे अधिगृहीत की जा रही है। आठ लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव एक ही दिन प्रदेश में चौथे चरण में 13 मई को आठ लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव होंगे। इंदौर के साथ ही देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार, खरगोन और खंडवा लोकसभा क्षेत्रों में मतदान होगा। इंदौर में इन जिलों के हजारों मतदाता रहते हैं। जो मतदान के लिए मतदान के लिए पहुंचेंगे।

जरूरत 10 लाख कापियों की, मौजूद सिर्फ 70 हजार, कैसे करवाएं परीक्षा

सिटी चीफ इंदौर।

मई में स्नातक प्रथम व द्वितीय की परीक्षा होना है, मगर उत्तर पुस्तिकाओं (कापियों) की कमी का संकट खड़ा होने से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय असमंजस में है। परीक्षा में आठ से दस लाख कापियों की जरूरत होगी, जबकि फिलहाल 70 हजार कापियां ही मौजूद हैं। कापियों की संख्या को लेकर स्थिति सप्ताहभर पहले प्रेस कंट्रोलर ने बताई है। विश्वविद्यालय ने परीक्षा केंद्र बनाए कालेजों से भी कापियों के बारे में पूछा है। 48 घंटों के भीतर प्रबंधन को केंद्र में रखी कापियां का ब्योरा देना है। शुक्रवार को विश्वविद्यालय कापियों खरीदने के संबंध में टेंडर खोलेगा। मई में स्नातक प्रथम-द्वितीय वर्ष की परीक्षा है। दोनों पाठ्यक्रमों में करीब 90 हजार छात्र-छात्राएं हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को आठ-नौ विषयों के पेपर देना होंगे। ऐसे में परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के पास कम से कम आठ लाख कापियां होनी चाहिए। इसमें फाउंडेशन विषय के लिए ओएमआर शीट की जरूरत पड़ती है। इनकी विश्वविद्यालय के पास पर्याप्त संख्या है। अधिकारियों के मुताबिक दो अप्रैल को प्रेस कंट्रोलर डा. अजय तिवारी ने उत्तरपुस्तिकाओं की स्थिति को लेकर जानकारी दी, जिसमें मुख्य उत्तरपुस्तिकाएं 70 हजार होना बताया। इसके बाद परीक्षा विभाग और केंद्रों के पास मौजूद कापियों की संख्या बताने के निर्देश हैं। इनको मिलाकर भी एक लाख से अधिक खाली कापियां होंगी। केंद्रों से जानकारी आना बाकी है।

लेनी होगी अनुमति

12 अप्रैल को टेंडर भले ही खोल देंगे, मगर उसके बाद भी विश्वविद्यालय सीधे कापियां नहीं खरीद सकेगा। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते पहले कलेक्टर या जिला निर्वाचन अधिकारी से अनुमति लेनी होगी। कुलपति विशेषाधिकार (धारा 15(4)) के अंतर्गत एजेंसी को आर्डर दे सकेंगे। वैसे एक बार में एजेंसी को तीन से पांच लाख कापियां देनी हैं। इन्हें बनाने में कम से कम 45 से 60 दिन लगेंगे।

जताई नाराजगी = विश्वविद्यालय की प्रिंटिंग प्रेस से फाइल पहले परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पहुंची, फिर इस बारे में कुलपति और रजिस्ट्रार को जानकारी दी गई। सूत्रों के मुताबिक तत्काल प्रेस कंट्रोलर को बुलाया और दोनों ने नाराजगी जताई। उनका कहना था कि कापियां के बारे में इतनी देर से क्यों बताया। अब चुनाव के बीच कापियां खरीदना मुश्किल है। इसके चलते ही अप्रैल में कापियों का टेंडर खुलने का फैसला लिया।

व्हाइटनर और रिमूवर के नशे में डूबे बच्चों को ढूंढेगी इंदौर पुलिस

इंदौर। नशे में डूबे बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने की पहल हो रही है। पुलिस-प्रशासन ने ऐसे बच्चों को ढूंढना शुरू कर दिया है। कुछ जगह भिक्षावृत्ति में लिप्त महिलाएं छोटे बच्चों को सुलेशन और व्हाइटनर के नशे की लत लगाकर अपराध करवा रही हैं। पुलिस ने ऐसे स्थान और लोगों को चिन्हित करना शुरू कर दिया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) अमित सिंह के मुताबिक, पिछले दिनों मल्हारगंज थाना पुलिस ने दो बच्चों को पकड़ा जो नशे में थे। पूछताछ में पता चला कि दोनों को व्हाइटनर और सुलेशन सूंघने की आदत है। नशीली सामग्री सराफा थाना क्षेत्र स्थित वाघमारे के बगीचे में रहने वाली एक महिला सप्लाई कर रही है जो भिक्षावृत्ति में लिप्त है। एडिशनल सीपी के मुताबिक, पुलिस ने तय किया कि शहर में ऐसे ठीए चिन्हित किए जाएंगे, जहां बच्चों को नशा मिलता है। नगरीय सीमा के थाना प्रभारी ऐसे बच्चों को ढूंढेंगे जिन्हें नशे की लत लग चुकी है। कलेक्टर की मदद से इन बच्चों के उपचार और शिक्षा की व्यवस्था करवाई जाएगी। एडिशनल सीपी के मुताबिक बच्चों की काउंसलिंग की तो पता चला कि शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में सुलेशन, व्हाइटनर, बाम, नेल पालिश रिमूवर, कफ सिरप, पेट्रोल की गंध, थिनर, इंजेक्शन जैसे पदार्थों का सेवन करते हैं, जिनसे फेफड़े खराब होते हैं।

एक दशक से अधूरा एमआर-5, सौ कालोनियों के रहवासी परेशान

सिटी चीफ इंदौर।

सुपर कारिडोर को मध्य क्षेत्र से जोड़ने वाला एमआर-5 एक दशक से अधूरा है। हर चुनाव में मुद्दा बनने वाले इस मेजर रोड के अधूरा होने से 100 से ज्यादा कालोनियों के रहवासी परेशान हैं। उन्हें मध्य क्षेत्र तक पहुंचने के लिए तीन किमी लंबा फेरा लगाना पड़ता है। इस मेजर रोड पर ही लक्ष्मीबाई अनाज मंडी भी है, जहां एयरपोर्ट क्षेत्र के दर्जनों गांवों के किसान फसल लेकर पहुंचते हैं।

इस मेजर रोड को नगर निगम को बनाना है। बहाना बनाया जा रहा है कि अतिक्रमण के चलते काम अटका हुआ है, जब नईदुनिया ने मौके पर पड़ताल की तो पता चला कि 10 किमी से ज्यादा लंबे इस मेजर रोड पर इक्का-दुक्का को छोड़कर शेष जगह अतिक्रमण जैसी कोई समस्या ही नहीं है। यह मेजर रोड तैयार हो जाए तो सुपर कारिडोर से मध्य क्षेत्र तक सीधी कनेक्टिविटी मिल सकती है। टुकड़े-टुकड़े में बना फिलहाल एमआर-5 टुकड़े-टुकड़े में अधूरा बना हुआ है। इंदौर वायर फैक्ट्री से बड़ा बांगड़दा तक काम अधूरा पड़ा है। इसके बाद कुछ हिस्सा बना है, लेकिन फिर सड़क नदारद है। पहले आइडीए के पास था, फिर निगम को मिल गया एमआर-5 का प्रस्ताव करीब 13 वर्ष पहले तैयार हुआ था। इसे आइडीए को बनाना था, लेकिन बाद में इसे नगर निगम को सौंप दिया गया। वर्षों से इसका काम अटका हुआ है। आसपास की कालोनियों के रहवासियों ने बताया कि यदा-कदा पोल शिफ्टिंग और नई लाइन का काम होता नजर आता है लेकिन निरंतरता नहीं है। जिन जगहों पर सड़क का थोड़ा-बहुत काम हुआ है वहां स्टार्म वाटर लाइन, चैंबर खुले छोड़ दिए गए हैं। इसके चलते किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। ज्यादातर हिस्से में रात के समय रोशनी की कोई व्यवस्था नहीं है। जगह-जगह खुदी सड़क एमआर-5 के निर्माण की कवायद तो कई बार शुरू हुई लेकिन अंजाम तक पहुंचने से पहले ही बंद भी हो गई। फिलहाल कई जगह सड़क खुदी पड़ी है। बड़ा बांगड़दा मुक्तिधाम के आगे करीब दो किमी तक कोई काम नहीं हुआ। इसके आगे नरीमन सिटी के करीब कुछ हिस्सा बना हुआ है, लेकिन वह भी अधूरा। यह मिलेगा फायदा एमआर-5 पूरा होने के बाद मध्य शहर की सीधी कनेक्टिविटी सुपर कारिडोर और इसके आसपास विकसित हो रही कालोनियों से सकेगी। इस सड़क के तैयार होने के बाद सुपर कारिडोर सीधे शहर के व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़ जाएगा। इस मार्ग के पूरा होने से एयरपोर्ट से मध्य क्षेत्र के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध हो सकेगा।

दमोह में तेज गरज के साथ झमाझम बारिश, गर्मी से मिली राहत

प्रदेश में कई स्थानों पर बादलों का डेरा, बारिश के आसार

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश में मौसम का उतार-चढ़ाव जारी है। कई जिलों में भीषण गर्मी पड़ रही है तो कई जगह बादल छाए हैं जहां बारिश के आसार नजर आ रहे हैं। इस बीच दमोह में मंगलवार को तेज बारिश दर्ज की गई। उधर, छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव में सुबह से बादलों का डेरा रहा। बीच-बीच में बूंदाबांदी हुई। मंगलवार दोपहर को भोपाल में तेज बारिश हुई। विदिशा और शाजापुर में भी पानी गिरा। रायसेन और खंडवा के ओंकारेश्वर में आंधी चलने के बाद बादल बरसे। खरगोन के भगवानपुरा और कसरावद में आधा घंटे तक बारिश हुई। यहां अनकवाड़ी के मंडी परिसर में खुले में रखा मक्का भीग गया।

मौसम विभाग के बताए अनुसार मंगलवार को फिर से मौसम में परिवर्तन हो गया। दमोह सहित अन्य स्थानों पर झमाझम बारिश शुरू हो गई और मौसम काफी ठंडा हो गया। सुबह से तेज धूप निकली थी। आसमान बिल्कुल साफ था। इससे काफी तेज गर्मी हो रही थी। शाम के पांच बजते ही मौसम बदल गया। आसमान में बादल छाने के साथ ही तेज हवाएं चलने लगी। कुछ ही देर में बारिश शुरू हो गई। करीब आधे घंटे तक एक-सी रफ्तार से पानी गिरता रहा। इससे मौसम काफी सुहाना हो गया।

पिछले तीन दिनों से इसी प्रकार का मौसम बना हुआ है। रविवार की रात दमोह जिले में जोरदार वर्षा हुई थी। सोमवार को तेंदूखेड़ा सहित अन्य स्थानों पर ओलावृष्टि के साथ बारिश हुई थी। बेमौसम वर्षा से किसानों की परेशानी बढ़ गई है क्योंकि उनकी फसलें कट चुकी हैं और खेतों में थ्रेशर का काम चल रहा है। बारिश से यह काम प्रभावित हुआ है। फसल भीगने के बाद अब किसान पहले फसल को सुखाएगा, उसके बाद थ्रेशर का काम होगा। मंगलवार से नवरात्र पर्व की शुरूआत हुई है। शहर के बड़ी देवी मंदिर में बड़ी संख्या में दुकानदारों ने प्रसाद की दुकानें लगाई हैं। शाम को अचानक बारिश हो जाने से कई दुकानदारों की दुकान पर रखी सामग्री भीग गई। कुछ लोगों ने तिरपाल से दुकान को ढंका। मौसम इस तरह का बना हुआ है कि जोरदार बारिश जारी रहने का अनुमान है। खरगोन में मक्का भीगा, 15 अप्रैल तक ऐसा ही रहेगा मौसम मध्यप्रदेश में पिछले तीन दिन से आंधी-बारिश और ओले गिरने का दौर जारी है। मौसम विभाग, भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि 10-11 अप्रैल को एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होगा। इससे मौजूदा सिस्टम और भी मजबूत हो जाएगा। ऐसे में 15 अप्रैल तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में छिंदवाड़ा, सिवनी, बैतूल, सीहोर और नर्मदापुरम के पचमढ़ी में ओलावृष्टि, बिजली गिरने और 90 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से हवा चलने का अनुमान जताया है। भोपाल जिले में भी ओले गिर सकते हैं। वहीं, खंडवा, बुरहानपुर, पांढुर्णा, रायसेन के भीमबेटका और सांची, विदिशा के उदयगिरि, सागर, दमोह, जबलपुर, बालाघाट, नरसिंहपुर, छतरपुर, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, खरगोन, हरदा, अशोकनगर, मंडला, डिंडोरी, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर और देवास में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।

नाबालिग भाई और दोस्तों के साथ की वारदात; खुद को पिटवाया भी

नौकर ने डॉक्टर के घर कराई 50 लाख की लूट

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल में एक महिला डॉक्टर के घर 50 लाख रुपए, 10 तोले का हार और एक डायमंड सेट की लूट हो गई। वारदात को घर के ही नौकर ने अपने नाबालिग भाई और साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। घटना के वक्त पूरा परिवार एक होटल में बर्थडे मनाने गया था। इस दौरान घर में नौकर लक्ष्मण, उसका नाबालिग भाई और सर्वेंट पति-पत्नी को मिलाकर चार लोग थे। आरोपियों ने नाबालिग को 3 महीने तक खास ट्रेनिंग दी। घटना सच्ची लगे इसलिए नौकर ने खुद को पिटवाया भी। हालांकि 5 घंटे में वे पुलिस की गिरफ्त में आ गए। वारदात शाहपुरा बी सेक्टर मकान नंबर 234 निवासी डॉ. अंशुल सिंह के घर सोमवार रात 10.10 बजे हुई। उस वक्त घर में 4 नौकर-नौकरानी थे। तभी रात हथियारबंद बदमाश घर में घुसे। उन्होंने लक्ष्मण को पीटने का नाटक किया। साथ ही नौकर-नौकरानी से भी मारपीट कर उन्हें कमरे में बंद कर दिया। लक्ष्मण ने अपने साथियों के साथ घर में तोड़फोड़ की। इसके बाद रुपए और जेवरात लेकर बदमाशों को रवाना कर दिया। फिर पुलिस को सूचना दी। इस बीच डॉक्टर का परिवार होटल से लौटा तो उन्हें घटना की जानकारी मिली। बता दें, डॉ. अंशुल सिंह कोलार रोड स्थित एलएन मेडिकल कॉलेज एंड जेके हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। डॉ. अंशुल हाल ही में भाजपा में शामिल हुए सतना जिले के नागोद से पूर्व विधायक यादवेंद्र सिंह की भतीजी हैं।

3 महीने से बना रहे थे योजना

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ के अनुसार सभी आरोपी 3 महीने से लूट को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। जिसके लिए नाबालिग को खास तौर पर ट्रेनिंग दी गई। उसे घर में रखी हर एक चीज की जानकारी जुटाने के लिए कहा गया। वारदात को अंजाम देने से पहले नाबालिग नौकर ने अपने साथियों के साथ मिलकर घर में लगे सीसीटीवी का डीवीआर बंद कर दिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी डीवीआर भी अपने साथ ले गए थे।

बैतूल संसदीय क्षेत्र के बसपा प्रत्याशी अशोक भलावी का हार्ट अटैक से निधन

सिटी चीफ भोपाल।

बैतूल संसदीय क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी की ओर से चुनाव लड़ रहे अशोक भलावी का मंगलवार को ह्दयाघात से निधन हो गया। बैतूल से 14 किमी दूर ग्राम सोहागपुर निवासी अशोक भलावी को दोपहर करीब दो बजे सीने में दर्द होने पर स्वजन निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सक मनीष लश्करे ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस कारण अब वहां का चुनाव स्थगित होगा। कलेक्टर से रिपोर्ट लेकर निर्वाचन आयोग को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा भेजी जा रही है जिस पर आगामी कार्यक्रम निर्धारित किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि जिस दल के

प्रत्याशी का निधन हुआ है उसे अन्य प्रत्याशी देने का अवसर मिलेगा। बैतूल संसदीय क्षेत्र का चुनाव दूसरे चरण में होना है यहां 26 तारीख को मतदान होना है नाम वापसी की प्रक्रिया भी यहां पूरी हो चुकी है।

सतना में पूर्व महापौर भाजपा में शामिल, सीएम मोहन ने दिलाई सदस्यता

कांग्रेस को लगातार लग रहे झटके जारी है दलबदल का दौर

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा चुनाव से पहले मध्यप्रदेश कांग्रेस को लगातार झटके लग रहे हैं। नवरात्रि के पहले दिन विंध्य क्षेत्र के कुछ बड़े नेताओं ने भी कांग्रेस पार्टी को अलविदा कहकर बीजेपी का दामन थाम लिया। इसमें सबसे बड़ा नाम है, सतना के पूर्व महापौर और पूर्व लोकसभा प्रत्याशी राजाराम त्रिपाठी भाजपा में शामिल हो गए हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव सबसे पहले मैहर पहुंचकर मां शारदा का आशीर्वाद लिया और फिर कांग्रेसियों को बीजेपी की सदस्यता दिलाई है। इन नेता के दल बदल से सतना लोकसभा सीट पर सियासी समीकरण बदल सकते हैं। क्योंकि उनका शहर के साथ-साथ ब्राह्मण समाज में अच्छा प्रभाव माना जाता है। ऐसे में उनका कांग्रेस से इस्तीफा देना सतना सीट पर बड़ा मामला माना जा रहा है।

दरअसल, सतना लोकसभा सीट से 2019 में कांग्रेस प्रत्याशी रहे और शहर के पूर्व महापौर राजाराम त्रिपाठी कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री मोहन यादव और डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलाई। राजाराम त्रिपाठी के साथ बड़ी संख्या में उनके समर्थक भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। ऐसे में सतना लोकसभा सीट पर होने वाली वोटिंग से पहले यह कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। राजाराम त्रिपाठी को 2019 में कांग्रेस ने सतना लोकसभा सीट से टिकट दिया था। हालांकि, उन्हें भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार गणेश सिंह के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। 2019 के लोकसभा चुनाव में राजाराम त्रिपाठी को सवा तीन लाख वोट मिले थे, लेकिन इस बार पार्टी ने सतना से विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा को टिकट दिया है।

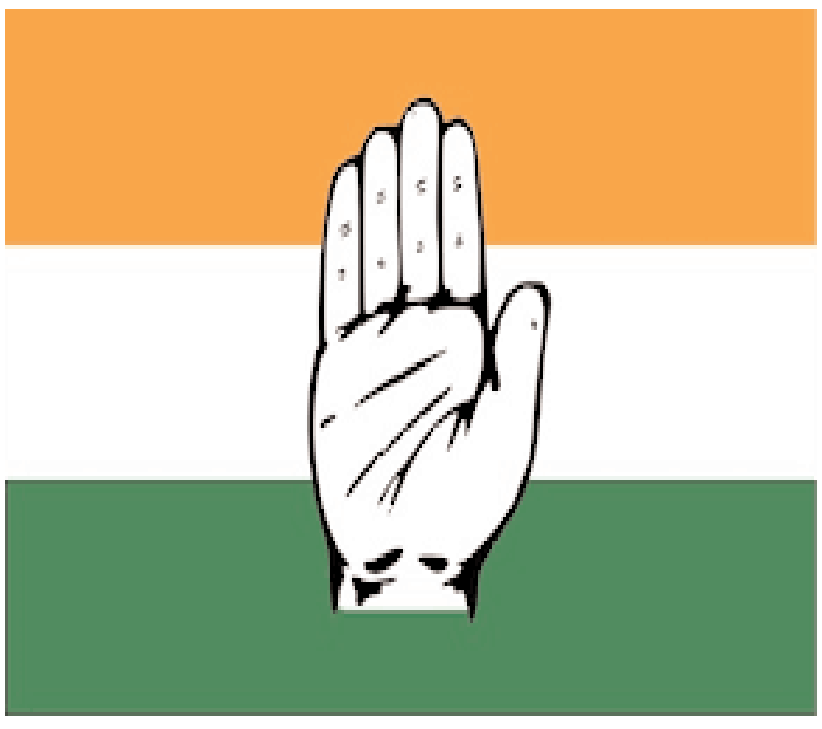

सतना लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को होनी है वोटिंग

खास बात यह है कि इस बार टिकट वितरण के बाद से ही सतना लोकसभा सीट पर कांग्रेस में अंतर्कलह देखी जा रही है, अब तक कांग्रेस के कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। वहीं, राजाराम त्रिपाठी के अलावा नागौद ब्लाक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण पांडेय और मैहर ब्लॉक में कांग्रेस के कद्दावर नेता विष्णु दत्त पांडेय ने भी अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली है। सतना लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को वोटिंग होनी है, ऐसे में वोटिंग से पहले बड़े नेता का पार्टी छोड़ने से समीकरण बदल सकते हैं। क्योंकि राजाराम त्रिपाठी ब्राह्मण वर्ग से आते हैं, सतना सीट पर ब्राह्मण समाज का अच्छा प्रभाव माना जाता है। बीजेपी और कांग्रेस ने इस बार पिछड़ा वर्ग से आने वाले नेताओं को ही टिकट दिया है। ऐसे में सतना में ब्राह्मण समाज फिलहाल अहम भूमिका में नजर आ रहा है। क्योंकि जिस तरह इस वर्ग का साथ जाता है, उसे फायदा मिल सकता है। ऐसे में बीजेपी यहां इस बार पूरा जोर लगाती नजर आ रही है।

राज्य कर्मचारी बीमा चिकित्सालय में बिना इलाज के लौटे मरीज, इमरजेंसी में सिर्फ एक डाक्टर

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में रायसेन रोड पर सोनागिरी में स्थित प्रदेश के सबसे बड़े राज्य कर्मचारी बीमा अस्पताल में मंगलवार को मरीजों को बिना इलाज के ही वापस लौटाया जा रहा था। यहां गोविंदपुरा, मंडीदीप और रायसेन तक से मरीज आए थे, लेकिन तीन दिन के अवकाश के चलते मरीजों को तपती गर्मी में भी निराशा ही हाथ लगी। वैसे तो यहां छुट्टी के चलते इमरजेंसी में इलाज की सुविधा थी, लेकिन यहां भी एक ही डाक्टर मौजूद था। नवदुनिया की टीम ने जब अस्पताल का जायजा लिया तो पता चला कि यहां सुबह की शिफ्ट के डाक्टर ने मरीजों का चेकअप किया था। जांचें लिखी थीं, लेकिन ईसीजी और एक्सरे नहीं किए गए। पहली मंजिल पर स्थित हाल में कई पंखे बंद मिले। वाटर कूलर भी बंद मिला। बता दें कि इस अस्पताल में कोई विशेषज्ञ डाक्टर नहीं है। सुविधाओं के अभाव में मरीज भी कम आते हैं। जबकि सरकार हर वर्ष करोड़ों रुपए

गोविंदपुरा, मंडीदीप के हजारों श्रमिकों से लेती है, फिर भी बेहतर इलाज नहीं दे पा रही है। मिलती हैं आधी-अधूरी दवाइयां जिम्मेदारों की अनदेखी के शिकार इस राज्य कर्मचारी बीमा अस्पताल में करीब 30 पैरामेडिकल स्टाफ है। आधे दर्जन विशेषज्ञों की भी कमी है। टेक्नीशियन नहीं है। मशीनों के नाम पर ज्यादातर सोनाग्राफी बंद पड़ी रहती है। एक्स-रे मशीन भी पुरानी तकनीक से काम करती है। पैथालाजी भी बंद पड़ी है। बीमा अस्पताल में यहां के डाक्टरों द्वारा लिखी दवाएं भी कांउटर पर नहीं मिलती। आधी-अधूरी दवा मिलने से मरीजों को बाहर से दवा खरीदनी पड़ती है। 100 बिस्तर हैं, लेकिन मरीज 30-35 ही भर्ती कहने को वार्ड और 100 बिस्तर हैं, लेकिन मरीज 30-35 ही भर्ती हैं। स्टाफ कम होने से मरीजों की भर्ती नहीं की जा रही है, केवल ओपीडी में आने वाले रोजाना 250-300 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। मरीज निजी अस्पताल में रेफर करने की मांग भी करते हैं, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी जाती है।

किसान के घर का डाका डालने वाले पांच आरोपित गिरफ्तार, 49 लाख रुपये बरामद

भोपाल। शाहपुरा के बी सेक्टर 234 नंबर मकान में डाका डालने वाले नाबालिग समेत पांच आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों के पास से करीब 49 लाख रुपये बरामद हुए हैं, आरोपितों के चार साथी फरार हैं। जिनकी तलाश के लिए पुलिस लगी है,उनके पास सोने चांदी जेवरात है। इस डकैती की साजिश में घर का एक नाबालिग नौकर और ड्राइवर शामिल था। दोनों यह आपस में रिश्तेदार हैं। आरोपितों ने रायसेन के बदमाशों के साथ मिलकर यह साजिश रची थी। चूनाभट्टी पुलिस के मुताबिक मूलत: नागौद सतना निवासी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह शाहपुरा सी सेक्टर पत्नी सविता सिंह स्वजनों के साथ रहते हैं।उनकी घर में धर्मेंद्र सिंह परिहार अपनी पत्नी सुमन के साथ काम करता है। उसके अलावा एक नाबालिग अपने घर छोटे मोटे काम करने के लिए रखा है।उनके यहां से पुलिस को 12 बजे के करीब सूचना मिली थी, कि उसके घर में पांच से छह अज्ञात बदमाशों 50 लाख रुपये, सोने चांदी के जेवरात के साथ हीरे हार की डकैती कर ले गए।घटना के समय घर पर नौकरों ही थे,घर के मालिक होटल में खाना खाने गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और तत्काल शहर में नाकेबंदी कर आरोपितों की तलाश शुरू की गई। ऐसे होती चली गई गिरफ्तारियां- मिसरोद पुलिस को सोमवार देर रात बाइक पर पैदल धक्का मारते ले जाते युवक दिखा,उसे रोका तो पुलिस को उसके हाथ पर खून नजर आया, संदेह होने पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर थाने लाया गया,जहां उसकी पहचान संतोष नगर मंडीदीप रायसेन निवासी 24 वर्षीय अमित राठौर के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से रुपये और उसके बाइक में से पांच - पांच सौ की गड्डियां बरामद हुई। पुलिस ने सख्ती की तो वह टूट गया। उससे जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने किंग पार्क सिटी शिवालिक ब्लाक मंडीदीप रायसेन निवासी 31 वर्षीय संतोष कुमार जांगडे, राम नगर निवासी निवासी सोनू उर्फ बलवंत अहिरवार को गिरफ्तार किया। उनसे पूछताछ के बाद घटना में शामिल पीड?त परिवार का ड्राइवर पाल ढाबा के पीछे मिसरोद निवासी 23 वर्षीय लक्ष्मण सिंह कीर और नाबालगि नौकर के बारे में जानकारी मिली।

कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं को धूप से बचने के लिए कैप और गमे के उपयोग की दी सलाह

पीले चावल के साथ मतदाताओं को मतदाता पर्ची बांटेगी भाजपा

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को मतदाता पर्ची के साथ भाजपा पीले चावल देकर मतदान करने का आग्रह करेगी। मतदाताओं से घर-घर जाकर संपर्क किया जाएगा। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भाजपा इस बार डिजिटल तकनीक का सहारा लेगी। इसके लिए मोबाइल पर भी मतदान के लिए संदेश प्रसारित किए जाएंगे।

इसमें पार्टी का प्रचार नहीं, बल्कि मतदान करने का आग्रह होगा। मध्य प्रदेश भाजपा ने इसकी तैयारी कर ली है। प्रदेश के 64,523 बूथों पर बूथ प्रभारी और पन्ना प्रमुख की जिम्मेदारी तय की गई है। इतना ही नहीं वोटरों की सुविधा के लिए भाजपा बूथ (मतदान केंद्र) पर ठंडे पानी की व्यवस्था, टेंट लगाकर कर छाया की व्यवस्था करेगी। मध्य प्रदेश में लोकसभा के चुनाव अप्रैल-मई में चार चरणों में संपन्न होंगे, मतदान के दौरान भीषण गर्मी और लू-लपट संबंधी मौसम विभाग के अलर्ट को लेकर 19 अप्रैल को

पहले चरण के मतदान की तैयारी में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियां तैयारी में जुट गई है। वहीं निर्वाचन आयोग मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक कर रहा है। मतदान के पांच दिन पहले निर्वाचन आयोग घर-घर मतदाता पर्ची बाटेगा।

कांग्रेस की सलाह, मतदाताओं से संपर्क करने के दौरान गर्मी से बचने गमझे का करें उपयोग चुनाव प्रचार व मतदाताओं से संपर्क के दौरान गर्मी से बचने कांग्रेस ने अपने कार्यकर्ताओं को टोपी और गमझें का उपयोग करने की सलाह दी है। मंडल, सेक्टर बूथ के कार्यकर्ताओं के लिए गर्मी से बचने के उपाय बताए जाएंगे।

प्रत्याशियों और संगठन के पदाधिकारियों से कहा गया है कि बूथ पर ठंडे पानी की व्यवस्था की जाएं। कांग्रेस ने सभी क्षेत्रों से जानकारी ली है कि विधानसभा क्षेत्र, सेक्टर और मंडल स्तर पर क्या सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। ताकि चुनाव के समय तक पूरी व्यवस्थाएं की जा सकें।

भाजपा कांग्रेस की तैयारी सुबह के समय ही अधिकतम वोट डल जाए भाजपा और कांग्रेस ने तैयारी की है कि सुबह के समय गर्मी का ज्यादा असर नहीं होता। इस समय को मतदाताओं के लिए अनुकूल मानते हुए दोनों ही दलों ने बूथ स्तर पर रणनीति बनाई है कि वे अपने कार्यकर्ता के माध्यम से मतदाताओं को घर से निकाल कर मतदान केंद्र तक वोट डालने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए दो पहिया वाहनों चालकों की भी जिम्मेदारी तय की गई है। चुनाव आयोग की ओर से सभी व्यवस्थाएं रहती हैं लेकिन भाजपा कार्यकर्ता भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने में सहयोगी की भूमिका निभाएंगे। वरिष्ठ नागरिकों की मदद के लिए जरूरी उपाय किए जाएंगे। मतदाताओं को मतदाता पर्ची के साथ भाजपा पीले चावल देकर मतदान करने का आग्रह करेगी। प्रत्येक बूथ पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने सुबह छह बजे से कार्यकताओं को जुटाया जाएगा। वहीं शाम को भी मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

साम्पदकीय

भीड़ की अराजकता स्वीकार्य नहीं

राजनीति से इतर हमें मानना होगा कि किसी मामले में केंद्रीय एजेंसी से जुड़े अधिकारियों पर हमला व कामकाज में अवरोध पैदा करना संघीय व्यवस्था के लिये घातक ही है। उल्लेखनीय है कि संदेशखाली में भी ईडी अधिकारियों पर हमला हुआ था। लेकिन राज्य सरकार ने मुख्य आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की।

पश्चिम बंगाल में आपराधिक घटनाओं को सियासी रंग देने का पुराना इतिहास रहा है। अब चाहे वहां वामपंथी शासन रहा हो, कांग्रेस का हो या अब तृणमूल कांग्रेस का हो। लेकिन शुरूआती सूचनाओं के हिसाब से जल्दबाजी में किसी निष्कर्ष तक पहुंचना ठीक नहीं है। निस्संदेह, आम चुनाव की तरफ बढ़ रहे देश में जांच एजेंसियों के एक पक्ष के खिलाफ कार्रवाई करने से उनकी निष्पक्षता पर प्रश्न उठना भी स्वाभाविक ही है। इससे जहां एजेंसियों की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ता है, वहीं देश की चुनाव प्रक्रिया पर भी आंच आती है। बहरहाल इस घटनाक्रम के विरोध में तृणमूल कांग्रेस के दस सांसदों ने सोमवार को दिल्ली स्थित चुनाव आयोग के मुख्यालय के बाहर धरना दिया। पुलिस बाद में सांसदों को जबरन उठाकर ले गई। लेकिन इसके बावजूद किसी मामले में जांच-पड़ताल को गई किसी एजेंसी के अधिकारियों पर हमला करना भी दुर्भाग्यपूर्ण कहा जाएगा। ऐसे मामले में भीड़ की अराजकता स्वीकार्य नहीं है। लेकिन एक बात तो तय है कि पश्चिम बंगाल के ईस्ट मेदिनीपुर क्षेत्र में शनिवार की सुबह एनआईए अधिकारियों पर हमले का निष्कर्ष है कि राज्य के तंत्र ने विगत के घटनाक्रम से कोई सीख नहीं ली। ध्यान रहे कि इस साल की शुरुआत में संदेशखाली प्रकरण में भी प्रवर्तन निदेशालय की टीम भीड़ के हमले का शिकार बनी थी। फिर इस मुद्दे पर जमकर राजनीति हुई थी। जाहिर है ऐसे घटनाक्रम राजनीति से इतर स्वतंत्र जांच की उम्मीद को खत्म करते हैं। निस्संदेह घटनाक्रम से जुड़े वास्तविक तथ्यों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। यहां उल्लेखनीय है कि एनआईए यह जांच कलकत्ता हाईकोर्ट के कहने पर कर रही है। दरअसल, मामला साल 2022 में हुए एक बम धमाके से जुड़ा है, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। जिसकी जांच लंबे अर्से बाद उच्च न्यायालय द्वारा एनआईए को सौंपी गई। एजेंसियों ने पूछताछ के लिये आरोपियों को कई बार बुलाया था, जिसे नजरअंदाज कर दिया गया। कहा जा रहा है कि एजेंसी ने यह कार्रवाई उचित नियमों के अनुरूप ही की है। बहरहाल, राजनीति से इतर हमें मानना होगा कि किसी मामले में केंद्रीय एजेंसी से जुड़े अधिकारियों पर हमला व कामकाज में अवरोध पैदा करना संघीय व्यवस्था के लिये घातक ही है। उल्लेखनीय है कि संदेशखाली में भी ईडी अधिकारियों पर हमला हुआ था। लेकिन राज्य सरकार ने मुख्य आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। तब भी उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। बाद में विवाद बढ़ते देख आरोपियों को तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित किया गया था। आरोपी पार्टी का बाहुबली नेता था। घटनाक्रम से राज्य सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठे थे। सवालिया निशान राज्य की कानून व्यवस्था व महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की अनदेखी पर भी उठे थे। वहीं राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा के इशारे पर एजेंसियों द्वारा पार्टी के नेताओं को डराया जा रहा है। दूसरी ओर तृणमूल सुप्रीमो एनआईए द्वारा बम धमाके के आरोपी की गिरफ्तारी के लिये रात में जाने को लेकर सवाल उठा रही हैं। उनकी दलील है कि ग्रामीण रात को आने वाले अनजान व्यक्ति को देखकर आक्रामक हो जाते हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या छापेमारी से पहले एनआईए ने स्थानीय पुलिस का सहयोग लिया था? या फिर राजनीतिक दबाव में काम कर रही स्थानीय पुलिस को सूचना देने से गोपनीयता भंग होने की आशंका से एनआईए ने छापे की पूर्व सूचना नहीं दी? दूसरी ओर एनआईए का कहना है कि सूचना दी गई थी लेकिन स्थानीय पुलिस का रवैया सहयोग करने वाला नहीं था। बताया जाता है कि जिस व्यक्ति को गिरफ्तार करने एनआईए गई थी वह तृणमूल कांग्रेस का नेता है। विगत में भी ममता बनर्जी अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्थन में खुलकर मैदान में आ जाती हैं। यह विडंबना ही है कि तृणमूल कांग्रेस व भाजपा नेताओं के बीच जारी टसल के चलते केंद्र व राज्य के संबंधों में तनाव की स्थिति बन रही है। साथ ही केंद्रीय जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता पर आंच आ रही है।

क्या केजरीवाल नैतिक आधार खो चुके हैं?

कांग्रेस पहले से केजरीवाल के कथित भ्रष्टाचार की आलोचना करती रही है, लेकिन अब उसने केजरीवाल का समर्थन करते हुए केजरीवाल की गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला बताया है। चूंकि चुनाव नजदीक हैं और केजरीवाल एक महत्वपूर्ण नेता हैं, और उनकी पार्टी दो महत्वपूर्ण राज्यों में सत्ता में है, इसलिए उनकी गिरफ्तारी का राजनीतिक महत्व बहुत बढ़ गया है। 21 मार्च, 2024 को दिल्ली के मौजूदा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आर्थिक अपराधों के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली सरकार की शराब नीति से संबंधित भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसके बाद केजरीवाल को उच्च न्यायालय सहित किसी भी न्यायिक कार्यालय से राहत नहीं मिली, और केजरीवाल ने सर्वोच्च न्यायालय से अपना आवेदन वापस लेने का फैसला किया, जिसके कारण वे ही जानते हैं। हालांकि, कांग्रेस पहले से केजरीवाल के कथित भ्रष्टाचार की आलोचना करती रही है, लेकिन अब उसने केजरीवाल का समर्थन करते हुए केजरीवाल की गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला बताया है। चूंकि चुनाव नजदीक हैं और केजरीवाल एक महत्वपूर्ण नेता हैं, और उनकी पार्टी दो महत्वपूर्ण राज्यों में सत्ता में है, इसलिए उनकी गिरफ्तारी का राजनीतिक महत्व बहुत बढ़ गया है। कुछ लोग उनकी गिरफ्तारी को अनुचित मान सकते हैं और कुछ लोग यह भी कह सकते हैं कि इसका उल्टा असर मौजूदा केंद्र सरकार पर पड़ सकता है, क्योंकि केजरीवाल लोगों की सहानुभूति भी बटोर सकते हैं। लेकिन पहला सवाल यह है कि क्या केजरीवाल की गिरफ्तारी सही है? दूसरा सवाल यह है कि आखिर यह शराब नीति क्या है? क्यों इसके कारण पहले केजरीवाल के सिपहसालार मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल पहुंचे और अब खुद केजरीवाल। तीसरा सवाल यह है कि शराब नीति और इसके संचालन में भ्रष्टाचार के आरोप क्या सही हैं? चौथा सवाल यह है कि केजरीवाल अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के भारी प्रयास के बावजूद आम जनता से सहानुभूति क्यों नहीं पा रहे हैं। इस लेख में केजरीवाल शराब नीति और इसके प्रभाव को समझने की कोशिश की जा रही है। सबसे पहले यह जानना दिलचस्प होगा कि उक्त शराब नीति को उसके अस्तित्व में आने के एक साल के भीतर ही न्यायपालिका या किसी केंद्रीय एजेंसी ने नहीं, बल्कि खुद केजरीवाल सरकार ने वापस ले लिया। तब से ही उक्त नीति की ईमानदारी पर संदेह हैं।

यह शराब नीति क्या है = केजरीवाल शराब नीति लागू होने से पहले, सरकारी और निजी दुकानों पर खुदरा शराब बेची जाती थी। बेची जाने वाली शराब पर उत्पाद शुल्क और मूल्य वर्धित कर (वैट) वसूला जाता था। उल्लेखनीय है कि चूंकि राज्य सरकारों के आग्रह पर पेट्रोलियम उत्पादों, शराब और प्रसाधन सामग्री को जीएसटी से बाहर रखा गया था, इसलिए शराब पर उत्पाद शुल्क राज्य सरकार, इस मामले में केजरीवाल सरकार का विषय है। केजरीवाल शराब नीति में, दिल्ली के क्षेत्रों को 32 क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया था, जिसमें 8-10 वार्ड शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 27 दुकानों का प्रावधान रखा गया। इसका मतलब यह था कि प्रत्येक वार्ड में 2-3 शराब विक्रेता होंगे। नई आबकारी व्यवस्था में शहर के 32 क्षेत्रों में समान रूप से वितरित 849 विशाल और वातानुकूलित शराब की दुकानों की परिकल्पना की गई थी। केजरीवाल की शराब नीति को लाने के पीछे एक महत्वपूर्ण तर्क यह था कि इससे उपभोक्ताओं को लंबी कतारों में खड़े होने के संघर्ष के बिना, वातानुकूलित दुकानों में आसानी से ह्यशराब खरीदने का सुखद अनुभवह्न मिलेगा। शराब नीति को 32 जोनों के लाइसेंस की नीलामी से लगभग 10000 करोड़ रुपए की कुल आय की उम्मीद थी। यह पिछले 3 वर्षों के औसत राजस्व 5500 करोड़ रुपए से लगभग दोगुना माना जा रहा था। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल शराब नीति से पहले दिल्ली में 12 से 13 लाख बोतल शराब बिकती थी, जिस पर आबकारी शुल्क और वैट लगाया जाता था। जब केजरीवाल सरकार की शराब नीति पेश की गई तो आबकारी शुल्क और वैट घटाकर एक-एक प्रतिशत कर दिया गया और इसकी जगह लाइसेंस की नीलामी की गई और जिन विक्रेताओं को लाइसेंस दिए गए थे, वे शराब की कितनी भी बोतलें बेचने के लिए स्वतंत्र थे। इससे शराब की बिक्री में तेजी आने लगी और उपभोक्ताओं को सुखद अनुभव देने के लिए मॉल्स में अधिक दुकानें भी खोली जाने लगीं।

थोक विक्रेताओं का विवादास्पद लाइसेंस और कमीशन = केजरीवाल शराब नीति के साथ-साथ एक और नीति भी शुरू की गई, जो स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण और भ्रष्टाचार से ग्रस्त थी, जिसमें पूर्व में सिर्फ 5 प्रतिशत की तुलना में थोक विक्रेताओं को 12 प्रतिशत कमीशन की अनुमति दी गई। इससे खुदरा विक्रेताओं का मुनाफा कम हो गया, उन्हें अपने लाइसेंस सरेंडर करने और व्यवसाय से बाहर होने के लिए मजबूर होना पड़ा, और सरकार के खिलाफ कानूनी मामले भी शुरू हो गए। शायद, थोक विक्रेताओं की इस कमीशन नीति के कारण ही नए केजरीवाल शराब नीति विफल हुई और अंततः मनीष सिसोदिया और केजरीवाल को जेल जाना पड़ा। आलोचकों का आरोप है कि नीति का मसौदा शराब बाजार में एकाधिकार बनाने की सुविधा के एकमात्र इरादे से तैयार किया गया था। यह केवल कुछ चुनिंदा थोक विक्रेताओं के लिए तैयार किया गया था, क्योंकि थोक विक्रेता के लाइसेंस के लिए बोली लगाने की पात्रता शर्तों में से एक, पिछले 3 वर्षों के दौरान 150 करोड़ रुपए की न्यूनतम वार्षिक बिक्री थी। छोटे खिलाड़ियों को, जिनके पास पहले लाइसेंस था, को बोली प्रक्रिया से बाहर कर दिया। नई नीति ने पेरनोड रिकार्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और डियाजियो इंडिया के ब्रांडों की पेशकश करने वाले मुट्ठी भर थोक विक्रेताओं को खुदरा विक्रेताओं को आपूर्ति और छूट की मात्रा पर महत्वपूर्ण नियंत्रण दिया था। उच्च निश्चित लाभ ने थोक विक्रेताओं के हितों की रक्षा की, लेकिन खुदरा विक्रेताओं को निचोड़ा।

थोक विक्रेताओं का यह अतार्किक और आश्चर्यजनक मार्जिन केजरीवाल शराब नीति का प्रमुख बिंदु बन गया और इसने खुदरा विक्रेताओं को भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे उन्हें अपने लाइसेंस भी सरेंडर करने पड़े। इससे केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को भी बड़ा राजनीतिक झटका लगा। चूंकि थोक विक्रेताओं को 12 प्रतिशत कमीशन मिल रहा था, जो सामान्य 3 से 5 प्रतिशत से बहुत अधिक था, इससे खुदरा विक्रेताओं के मार्जिन काफी कम हो गए और उनमें से कई ने अपने लाइसेंस सरेंडर कर दिए और दुकानों को बंद कर दिया। सरकार को इससे राजस्व की भारी हानि हुई और इससे अंततः केजरीवाल शराब नीति वापस लेने हेतु आवाजें उठने लगी। दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा इसकी जांच के आदेश दिए जाने के बाद, यह खुलासा हुआ कि सरकार से जुड़े लोगों ने थोक विक्रेताओं से उनके लाभ का एक बड़ा हिस्सा वापस लिया और उसके प्रमाण भी मिल गए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित तौर पर धन के निशान पाए हैं, जो लगभग 100 करोड़ रुपए है। इतनी या इससे अधिक राशि को आम आदमी पार्टी से जुड़े लोगों को हस्तांतरित कर दिया गया।

नैतिक प्रश्न = भ्रष्टाचार के कानूनी प्रश्नों पर तो जांच एजेंसियां पहले से ही काम कर रही हैं, लेकिन नैतिकता के प्रश्न ऐसे हैं, जिनसे शायद केजरीवाल खुद को कभी मुक्त न कर पाएं। उनके गुरु गांधीवादी अन्ना हजारे पहले ही केजरीवाल शराब नीति के लिए उनकी आलोचना कर चुके हैं और उनकी गिरफ्तारी को उचित ठहरा चुके हैं। अरविंद केजरीवाल के लिए उनकी शिकायत यह है कि उनके शिष्य के रूप में उन्होंने शराब के खिलाफ आवाज उठाई और अब वही केजरीवाल शराब नीति के लिए गिरफ्तार हुए हैं और यह सही भी है। हमारे संविधान में शराबबंदी राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में से एक है। गुजरात और बिहार सहित कुछ राज्यों ने पूर्ण शराबबंदी भी लागू की है। बिहार में, सीएम नीतीश कुमार ने अच्छी प्रसिद्धि अर्जित की है, क्योंकि इस कदम ने परिवारों को शराब के अभिशाप से मुक्ति दिलाई है। अन्य राज्यों में भी शराब पर उच्च उत्पाद शुल्क लगाया जाता है और इसका उद्देश्य कभी भी बड़ा राजस्व कमाना नहीं होता। बहरहाल यह ठीक नहीं कि केजरीवाल राजनीतिक प्रतिशोध के शिकार हैं।

व्यय बजटः चुनावी अर्थशास्त्र की चुनौतियां, क्या सार्वजनिक खर्च वास्तव में है कोई मुद्दा

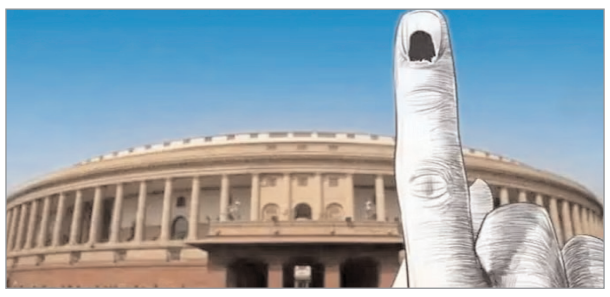

अट्ठारहवीं लोकसभा के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और कुछ ही दिनों में पहले चरण का मतदान भी होने वाला है। राजनीतिक दलों के साथ चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार जोर-शोर से चुनाव प्रचार में लगे हैं। अक्सर चुनाव के दिनों में चुनावी खर्च की चिंता जताई जाती है और बढ़ते चुनावी खर्च का तर्क देकर 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' पर भी विचार किया जाने लगा है। जहां तक चुनावों में होने वाले खर्च की बात है, तो वैश्विक स्तर पर चुनाव कराने की प्रत्यक्ष सार्वजनिक वित्तीय लागत काफी भिन्न होती है और विभिन्न देशों के बीच और देश के भीतर भी चुनावी लागत अलग-अलग होती है। सामान्य अर्थों में देखें तो, अपने देश में केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न चुनावों पर सार्वजनिक खर्च में प्रति वर्ष 19.98 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हुई है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2017-18 में चुनाव पर केंद्र सरकार के सार्वजनिक व्यय की लागत 1322.22 करोड़ रुपये थी, जो वर्ष 2024-25 के बजट आवंटन में बढ़कर 2724.26 करोड़ रुपये हो गई है। अब तक चुनावों पर सार्वजनिक लागत का सबसे उच्चतम स्तर वर्ष 2022-23 में दर्ज किया गया है, जो 3775.42 करोड़ रुपये था। इस चुनावी खर्च में छह प्रमुख मदें शामिल हैं, जो इस प्रकार हैं -निर्वाचन अधिकारियों पर किया जाने वाला खर्च, मतदाता सूची तैयार करने और उसकी छपाई पर खर्च, लोकसभा और राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों की विधानसभा, विधान परिषद के चुनाव के संचालन के लिए किया जाने वाला खर्च, पंचायतों/स्थानीय निकाय चुनावों के संचालन के लिए किया जाने वाला खर्च, आदि और चुनाव संबंधी अन्य खर्च। जैसा कि सार्वजनिक व्यय की इन व्यापक मदों से स्पष्ट है, ये मुख्य रूप से केंद्र सरकार द्वारा चुनाव कराने के लिए किए जाने वाले प्रशासनिक खर्च हैं। भारत सरकार के कुल व्यय बजट, जो लगभग 45 लाख करोड़ रुपये है, में चुनावी खर्च बहुत छोटी-सी रकम है। लिहाजा, इस बात पर विचार करना जरूरी है कि क्या चुनाव पर सार्वजनिक खर्च वास्तव में कोई मुद्दा है। आइए, अब जरा चुनावों के अर्थशास्त्र पर भी विचार कर लेते हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा चुनावों की घोषणा से लेकर चुनाव के बाद नई सरकार के गठन तक, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के खर्च में अप्रत्याशित बढ़ोतरी होती है। उम्मीदवारों द्वारा चुनाव संबंधी खर्च में बढ़ोतरी को अक्सर अल्पावधि में उपभोग खर्च को बढ़ावा देने वाला माना जाता है। अल्पावधि में उपभोक्ता बाजार पर चुनावी खर्च के लाभ अलग-अलग होते हैं और इसका आर्थिक प्रभाव विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा की चुनावी प्रकृति समेत कई कारकों पर निर्भर करता है। हालांकि चुनावी प्रतिस्पर्धा की प्रकृति का सार्वजनिक वित्त पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। चुनाव के बाद जो राजनीतिक दल जीत हासिल कर सरकार का गठन करता है, उस सरकार द्वारा शुरू की गई सार्वजनिक नीतियों का सार्वजनिक खर्च पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। ऐसे खर्चों का विकास, राजकोषीय संतुलन और मानव विकास पर दीर्घकालीन असर पड़ता है। हाल के वर्षों में चुनाव पूर्व किए गए वादे के बड़े सार्वजनिक खर्च प्रतिबद्धता में तब्दील होने का एक बेहद दिलचस्प उदाहरण महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) अधिनियम है। हमें चुनाव पूर्व किए गए इस तरह के वादे के ऐसे कई उदाहरण मिलेंगे, जिन्होंने सार्वजनिक खर्च को बढ़ाने के साथ नई सार्वजनिक नीतियों का भी निर्माण किया है। भारतीय संविधान के पहले अनुच्छेद के अनुसार, विभिन्न राज्यों का एक संघ है। लिहाजा, एक संघीय देश में राष्ट्रीय निर्वाचन और राज्यों के निर्वाचन की चुनावी प्रतिस्पर्धा अलग-अलग होनी चाहिए, खासकर तब, जब राष्ट्रीय सरकार की भूमिका राज्यों की सरकारों से बहुत अलग हो। हालांकि हमारे अपने देश भारत में राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले वादे यह अंतर करने में विफल रहते हैं। राजनीतिक वादों से इस अंतर को समझना भी मुश्किल होता है। केंद्र और राज्यों, दोनों के चुनाव में किए जाने वाले वादे बड़े पैमाने पर परिवारों को लाभ पहुंचाने के लिए पुनर्वितरण खर्च पर केंद्रित होते हैं। पुनर्वितरण खर्च उसे कहते हैं, जो संसाधनों के न्यायपूर्ण वितरण से संबंधित होते हैं, इसलिए इस मामले में राज्य कुछ हद तक केंद्र पर भी निर्भर होते हैं। इसके परिणामस्वरूप समस्या यह पैदा होती है कि चुनाव के बाद केंद्र और राज्य सरकारों की जिम्मेदारियों में कार्यात्मक टकराव पैदा होता है। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि केंद्र और राज्यों की सरकारें एक ही तरह की सेवा या सुविधा उपलब्ध कराने का काम करती हैं। संविधान में केंद्र और राज्यों के बीच संसाधनों और जिम्मेदारियों का विभाजन स्पष्ट है। संसाधनों के सांविधानिक विभाजन को देखते हुए स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और कृषि जैसे ज्यादातर पुनर्वितरण खर्च राज्य स्तर के होते हैं। आदर्श रूप में राज्यों के चुनाव इस तरह के पुनर्वितरण के मुद्दों पर लड़े जाने चाहिए। कानून-व्यवस्था की बहाली भी राज्य का विषय है। इसलिए राज्यों के चुनाव कानून-व्यवस्था और शासन (गवर्नेंस) के मुद्दों पर लड़े जाने चाहिए। जबकि राष्ट्रीय चुनाव आदर्श रूप में अखिल भारतीय स्तर पर बुनियादी संरचनाओं के विकास, रेलवे, रक्षा और विदेशी मामलों जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर लड़े जाने चाहिए। लेकिन अपने देश में वास्तविकता बिल्कुल अलग है। हालांकि यह भी नहीं कहा जा सकता कि प्रमुख पुनर्वितरण संबंधी चिंताओं को लेकर राष्ट्रीय चुनावी वादों की कोई भूमिका नहीं है। कहने का मूल तात्पर्य यह है कि यदि संविधान द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों को राजनीतिक दलों द्वारा चुनावी घोषणापत्र में मूलभूत सिद्धांतों के रूप में स्थान दिया जाता है, तो चुनाव के बाद सरकार का गठन होने पर चुनावी वादों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और ऐसे वादों को पूरा करने में किसी तरह की परेशानी नहीं आएगी।

जलवायु परिवर्तन के दौर में 'प्राकृतिक बॉन्ड'पर चर्चा जरूरी, कब होंगे हम प्रतिबद्ध

अपने देश की जनसंख्या के हिसाब से प्राकृतिक संसाधनों की भारी कमी है। हमारे देश में दुनिया की 18 फीसदी आबादी रहती है, लेकिन हमारे पास वैश्विक भूमि का 2.4 फीसदी, वन का दो फीसदी, स्वच्छ जल का मात्र चार फीसदी ही उपलब्ध है। भविष्य में जैसे-जैसे जनसंख्या का दबाव बढ़ता जाएगा, ये संसाधन और कम होते जाएंगे। अभी जिस दर से हम प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वर्ष 2030 तक हमें 25 गुना ज्यादा प्राकृतिक संसाधनों की जरूरत होगी। पारिस्थितिकी के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं, इससे अस्थिरता का माहौल पैदा होगा। इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स ऐंड पीस के अनुसार, अगर खाद्य सुरक्षा पर 25 फीसदी खतरा होगा, तो देश में टकराव/ संघर्ष की आशंका 36 फीसदी तक बढ़ जाएगी और इतने ही पानी की कमी होगी, तो संघर्ष की घटनाएं 18 फीसदी बढ़ जाएंगी। जैव विविधता की दृष्टि से हमारे देश में चार हॉटस्पॉट हैं, लेकिन ऐसी आशंका जताई जा रही है कि इन स्थानों का भी 90 प्रतिशत क्षेत्र कम हो चुका है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, प्राकृतिक आपदा के कारण भारत को हर साल औसतन सात अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान होता है। यही कारण है कि पिछले पांच वर्षों में, संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को पूरा करने में भारत की रैंकिंग में गिरावट आई है। वर्ष 2022 में भारत 121वें स्थान पर था। इन सब घटनाओं को देखते हुए आज प्राकृतिक बॉन्ड के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। यह प्राकृतिक बॉन्ड है क्या? हमने अब तक प्रकृति से जो लिया है या ले रहे हैं, उसे उसी अनुपात में प्रकृति को हम लौटा सकें, यह प्रतिबद्धता ही प्राकृतिक बॉन्ड है। अगर हम नहीं लौटा पाते हैं, तो हम इस प्रकृति के कर्जदार हैं। प्रकृति कोई वित्तीय संस्था नहीं है, जो पूरी जांच-पड़ताल के साथ हमें कर्ज देती है। इस पूरे ब्रह्मांड का संचालन सह अस्तित्व के सिद्धांत के तहत होता है। प्रकृति हमारे जीवन का आधार है, पर उसका ऋण चुकाना भूलकर हम सुख-साधनों की तरफ भाग रहे हैं। हम अपनी आने वाली पीढ़ी को आखिर कैसी पृथ्वी सौंप कर जाएंगे? कोरोना महामारी के संकट ने हमें सिखा दिया है कि वास्तविक धन क्या है। प्रकृति की उपेक्षा करके मनुष्य आगे नहीं बढ़ सकता। जलवायु परिवर्तन और उसके कारण होने वाले विस्थापन का मुकाबला करने तथा पीड़ित लोगों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए अब तक देश में कोई ठोस नीति या कार्य योजना नहीं है। यही कारण है कि एक अनुमान के मुताबिक, अकेले भारत में जलवायु आपदाओं के कारण 2050 तक 4.5 करोड़ लोगों को अपने घरों से पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन के दौर में चरम मौसमी घटनाओं के परिणामस्वरूप पलायन करने वाले लोगों की संख्या वर्तमान संख्या से तीन गुना हो जाएगी। वैश्विक जलवायु जोखिम सूचकांक, 2021, अनुसंधान समूह जर्मनवॉच की वार्षिक रैंकिंग, भारत को जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित शीर्ष 10 देशों में रखती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जिस तरह वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है, उसके चलते 2035 तक खाद्य कीमतों में सालाना 3.2 फीसदी की वृद्धि होने का अंदेशा है। यही नहीं, इससे फसलों की उपज पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु में आ रहे बदलावों के कारण आम आदमी के खाने की थाली कहीं ज्यादा महंगी हो सकती है। इन दिनों देश में लोकसभा चुनाव की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। लेकिन बढ़ते वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जनजीवन पर क्या असर पड़ेगा, और उससे निपटने के लिए राजनीतिक दलों के पास क्या कार्ययोजना है, यह इस चुनावी बहस का मुद्दा नहीं है। अगर सही में देखा जाए तो यह चुनाव भी पर्यावरणीय दृष्टिकोण से बहुत ज्यादा नुकसानदायक है। इसलिए हम अपने देश की लोकतांत्रिक संरचना को हरित लोकतंत्र के अंतर्गत शामिल नहीं कर सकते हैं। मौजूदा जलवायु परिवर्तन के दौर में यह आवश्यक है कि देश को एक हरित लोकतांत्रिक व्यवस्था बनाने की पहल की जाए, और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन रोका जाए। पर्यावरण के विनाश की कीमत पर किया जाने वाला विकास अंततः हमें विनाश के रास्ते पर ही ले जाएगा।

अनंत अंबानी की पार्टी में सलमान खान ने लगाए चार चांद, सिंगर बी प्राक ने दी स्पेशल परफॉर्मेंस

कुछ समय पहले ही अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री वेडिंग फंक्शन्स के लिए जामनगर में बड़े-बड़े सितारों का मेला लगा था। तीन दिनों तक चले इन फंक्शन्स ने खूब सुर्खियां बटोरी है। वहीं, अब एक बार फिर मशहूर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की बर्थडे पार्टी के लिए बॉलीवुड स्टार्स जामनगर पहुंचे हैं। इसी तरह एक बार फिर ये सितारे पार्टी की रौनक बढ़ाते नजर आएंगे। हाल ही में बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान जामनगर पहुंचे हैं। ऐसे में बीती रात भी पार्टी का आयोजन किया गया था, जिसमें सलमान खान ने चार चांद लगा दिए। अब इस पार्टी के कुछ फोटो-वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।अनंत अंबानी की ग्रैंड बर्थडे पार्टीसोशल मीडिया पर सलमान खान का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें एक्टर जामनगर एयरपोर्ट के बाहर नजर आ रहे हैं। 10 अप्रैल को अनंत अंबानी अपना 29वां जन्मदिन मना रहे हैं। ऐसे में अब सितारे जामनगर की ओर निकल पड़े हैं। सलमान जामनगर पहुंच

चुके हैं और इस दौरान वे कैजुअल लुक में नजर आए।उन्होंने ब्लैक टी शर्ट और ब्लू जीन्स पहने हुई थी। इससे पहले भी सलमान अनंत और राधिका के प्री वेडिंग फंक्शन्स में शामिल हुए थे, उन्होंने स्टेज पर डांस भी किया था। उनके साथ शाहरुख खान और आमिर खान भी दिखाई दिए थे। बता दें कि सलमान, शाहरुख और आमिर ने मिलकर परफॉर्म किया था, जिसे देख फैंस काफी खुश हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनंत अंबानी की बर्थडे पार्टी में जाह्नवी कपूर भी अपने रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया संग इस पार्टी में शामिल होंगी। बुधवार तक सभी सितारे जामनगर पहुंच जाएंगे। अनंत और राधिका के प्री वेडिंग फंक्शन में दुनियाभर के दिग्गज शामिल हुए थे। इतना ही नहीं, ऑस्कर अवॉर्ड विनर रिहाना ने भी परफॉर्म किया था। वहीं, सिंगर एकॉन ने भी पार्टी में गाना गाया था।मशहूर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी बीते महीने काफी चर्चा में रहे हैं। अनंत और राधिका के प्री वेडिंग फंक्शन्स ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं। तीन दिनों तक चलने वाले इन फंक्शन्स में दुनियाभर के दिग्गज शामिल हुए थे। अब आज यानी 10 अप्रैल को अनंत अंबानी अपना 29वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनके जन्मदिन के खास मौके पर गुजरात जामनगर में ग्रैंड सेलिब्रेशन रखा गया है। इसमें कई बड़े सितारे शामिल होंगे। बर्थडे के लिए बीते दिनों अनंत और राधिका दुबई के एक मॉल में खरीदारी करते नजर आए थे।अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री वेडिंग फंक्शन्स के समय उन्होंने जानवरों के प्रति अपने प्रेम के बारे में दुनिया को बताया था। ऐसे में आज उनके जन्मदिन के खास मौके पर हम आपको उनके जीवन से जुड़ी 10 दिलचस्प बातें बताने जा रहे हैं।
अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री वेडिंग फंक्शन्स के समय उन्होंने जानवरों के प्रति अपने प्रेम के बारे में दुनिया को बताया था। ऐसे में आज उनके जन्मदिन के खास मौके पर हम आपको उनके जीवन से जुड़ी 10 दिलचस्प बातें बताने जा रहे हैं।

गारफील्ड के नखरे और वरुण का अंदाज, रोमांच से भरी फिल्म के हिंदी वर्जन में आवाज देंगे अभिनेता

अभिनेता वरुण शर्मा ने लंबे समय से इंतजार में रही 'द गारफील्ड' फिल्म के हिंदी संस्करण में अपनी आवाज दी है। सोनी पिक्चर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए कैप्शन दिया, गारफिल्ड के नखरे और वरुण का अंदाज, मतलब एडवेंचर का न्यू लेवल अनलॉक्ड! यह फिल्म इस साल मई में रिलीज होगी। 'गारफील्ड' घर के अंदर रहने वाली एक बिल्ली की कहानी है, जो एक वाइल्ड एडवेंचर करने के लिए निकलती है। बचपन में बिछड़े अपने पिता से मिलने के बाद 'गारफील्ड' बिल्ली की जिंदगी कैसे बदलती है। ये सबकुछ इस रोमांचकारी फिल्म में देखने को मिलेगा। 'गारफील्ड' किरदार को आवाज क्रिस प्रैट ने दी है, वहीं 'विक' के किरदार को अभिनेता सैम्युल एल जैक्सन ने अपनी आवाज दी है। 'गारफील्ड' 24 मई को हिंदी, तमिल और अंग्रेजी भाषा में रिलीज होगी। यह एक 3ष्ठ फिल्म है, जिसका हिस्सा भारतीय अभिनेता वरुण शर्मा बने हैं। बता दें कि वरुण शर्मा शहनाज गिल के साथ 'सब फर्स्ट क्लास है' में नजर आएंगे। हाल ही में उनकी को-स्टार शहनाज ने क्रू मेंम्बर्स के साथ फोटो शेयर की है।

घटियापन की हद होती है, मैदान की स्क्रीनिंग में प्रियामणि की कमर पर हाथ रखने पर ट्रोल हुए बोनी कपूर

मंगलवार शाम को मुंबई में बी-टाउन सेलेब्स के मैदान की स्क्रीनिंग रखी गई थी। इस दौरान फिल्म की मुख्य अभिनेत्री प्रियामणि साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। बोनी कपूर स्क्रीनिंग थिएटर के बाहर मेहमानों के साथ बातचीत कर रहे थे। इस दौरान निर्माता ने अभिनेत्री का वेलकम किया और जब वे एक साथ पैपराजी के लिए पोज दे रहे थे तो निर्माता ने अभिनेत्री के कंधे और कमर पर हाथ रखा, जो नेटिजंस को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया।सोशल मीडिया पर लोगों ने प्रियामणि को गलत तरीके से छूने के लिए फिल्म निर्माता की आलोचना की है। वहीं, कई लोगों ने बोनी कपूर के चरित्र पर भी सवाल उठा दिया है। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, प्रियामणि जैसे प्रसिद्ध अभिनेत्री को इस खौफनाक आदमी के गलत व्यवहार को सहना पड़ता है। दूसरे यूजर ने लिखा, मैं तो बस यह सोच रहा हूं यह सेट बाकी अभिनेत्रियों के साथ कैसा व्यवहार करता होगा। एक और यूजर ने लिखा, इनकी दो बेटियां है। सच में घटियापन की हद होती है।यह पहली बार नहीं है जब नेटिजेंस ने महिलाओं को गलत तरीके से छूने के लिए बोनी की आलोचना की है। 2023 में नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) के लॉन्च के दौरान फिल्म निर्माता को गिगी हदीद की कमर पर हाथ रखकर पोज देते देखा गया था, जिसकी नेटिजंस ने खूब आलोचना की थी।

बायोपिक में अजय देवगन की चौंकाने वाली अदाकारी, देखिए कहानी एस ए रहीम की और बोलिए ईद मुबारक

हालात उन दिनों देश में ठीक नहीं थे। खाड़कुओं की बंदूकें उत्तर भारत में खूब गरज रही थीं। स्कूल-कॉलेजों तक में इनका असर दिख रहा था और तभी एक फिल्म रिलीज हुई 'हिप हिप हुर्रे'! गुलजार ने इसकी पटकथा, संवाद और गीत लिखे थे। हालांकि, विकीपीडिया पर गुलजार की फिल्मोग्राफी में साल 1984 में रिलीज इस फिल्म का जिक्र नहीं मिलेगा। ध्यान रहे कि साल 1983 में भारत ने पहली बार क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता था और उसके बाद से इस देश में क्रिकेट खेल से आगे निकलकर क्या क्या बन चुका है, किसी से छुपा नहीं है। प्रकाश झा के निर्देशन में बनी फिल्म 'हिप हिप हुर्रे' अगर आपने देखी है तो इसके हीरो संदीप चौधरी का अक्स आपको फिल्म 'मैदान' देखते समय अजय देवगन के किरदार सैयद अब्दुल रहीम में बार बार याद आएगा। कहानी की अंतर्धारा वैसी ही है। बस समय थोड़ा और पीछे का है। सैयद अब्दुल रहीम ने हालांकि ये कारनामा जो किया, उसकी कहानी न कभी इतिहास में और न कभी खेल के मैदानों पर छात्रों को बताई गई। इस लिहाज से अजय देवगन और बोनी कपूर दोनों ने ये बड़ा काम किया है, देश के एक अनसुने लाल पर इतनी मेहनत से इतनी शानदार फिल्म बनाकर।

हिंदी सिनेमा के लिए फुटबॉल का खेल एलियन जैसा ही रहा है। 'दे दना दन गोल' जैसी इक्का दुक्का फिल्मों को छोड़ दें तो हौसले की मजबूती और पैरों की फुर्ती वाले इस खेल को ज्यादा तवज्जो सितारों ने दी नहीं है। फिल्म 'मैदान' के निर्देशक अमित शर्मा और इसके निर्माता बोनी कपूर का साथ कोई 10 साल पुराना है। दोनों पहली

बार फिल्म 'तेवर' के लिए मिले। फिर अमित शर्मा ने 'बधाई हो' बनाई और 2019 में रिलीज इस फिल्म के बाद का उनका अब तक का जीवन फिल्म 'मैदान' के लिए ही रहा है। बड़े मुश्किलों से सिनेमाघरों तक पहुंची फिल्म 'मैदान' इस लिहाज से एक कालजयी फिल्म है कि इसे कोई बरसों बाद मोबाइल पर भी देखेगा तो इसे बनाने वालों और इसमें काम करने वालों का काम देखकर उसका दिल खुश हो जाएगा। तो दिल खुश कर देने वाली इस फिल्म की कहानी बस इतनी सी ही है कि अपनी धुन में खोया फुटबॉल का एक दीवाना एक दिन दुनिया के सामने फुटबॉल के मैदान में तिरंगा फहराने की ठान लेता है। समय फिल्म 'मैदान' के लिए बहुत अच्छा नहीं है लेकिन फिल्म ईद पर रिलीज हो रही है और कहानी सैयद अब्दुल रहीम की है तो ईदी मिलनी तो बनती है।अजय देवगन को उनके भीतर से हिला देने वाला किरदार मिले तो वह कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहते हैं। और, किरदार असली जैसा हो तो फिर तो वह एक ही साल में 'कंपनी' भी कर लेते हैं और 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' भी। असल किरदारों को उनके पूरे ताव के साथ जीने का ताप अजय देवगन ने फिल्म 'तानाजी' तक वैसे का वैसा ही बनाए रखा और अब सैयद अब्दुल रहीम। फख्र होगा ये फिल्म देखकर अजय देवगन के हर प्रशंसक को और हिंदी सिनेमा का आम दर्शक इस बात से खुश होगा कि अब भी हिंदी सिनेमा में कुछ लोग तो हैं जो देश की, इसकी मिट्टी की, इसकी इंसानियत की और इसकी गंगा जमुनी तहजीब को बचाए हुए हैं। फिल्म इंटरवल से पहले एक घंटे की है और इंटरवल के बाद दो घंटे की। आमतौर पर होता इसका उल्टा है लेकिन अमित शर्मा को भी तो ढर्रे तोड़ने में ही महारत हासिल है।

तिकड़ी के तेवर की काबिले दाद कहानी

बोनी कपूर, अमित शर्मा और अजय देवगन की तिकड़ी ने फिल्म 'मैदान' के जरिये जो कमाल रचा है, उसकी गूंज राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से लेकर तमाम दूसरे पुरस्कारों तक में दिखने वाली है। हाशिये पर पड़े लोगों को लेकर टीम बनाने और फिर उन्हें चैंपियन बनाने का एक असली किस्सा दर्शक हालांकि अमिताभ बच्चन की नागराज मंजुले निर्देशित फिल्म 'झुंड' में भी देख चुके हैं, लेकिन यहां बात कुछ और है और इसका रंग ही कुछ और है। अजय देवगन ने ये फिल्म अपनी मेहनत से सींची है। बोनी कपूर का इस विषय पर भरोसा उन्हें हिंदी सिनेमा के निर्माताओं की सबसे आगे की कतार से भी आगे ले आता है और अमित शर्मा ने इसे बनाने के लिए जिस तरह चुन चुनकर कलाकार तलाशे और तराशे हैं, उसके किस्से अभी बरसों तक चर्चा में रहेंगे। रितेश शाह के लिखे फिल्म के संवादों के साथ भी यही होने वाला है।

म्यूजिक में मात खा गई कहानी

फिल्म 'मैदान' में मनोज मुंतशिर और ए आर रहमान की जुगलबंदी से बने लेकिन सुने सुने से लगने वाले गीत-संगीत को और रहीम के बार बार सिगरेट पीने वाले दृश्यों को अगर इसके कमजोर पक्ष मानकर थोड़ी देर के लिए किनारे रख दें, तो तकनीकी रूप से भी ये एक अच्छी फिल्म बन पड़ी है। फिल्म की कहानी के हिसाब से इसके कालखंड को अमित शर्मा ने फिल्म की प्रोडक्शन डिजाइनर ख्याति मोहन कंचन और इसके सिनेमैटोग्राफर तुषार कांति रे के साथ मिलकर खूब अच्छे से जमाया है। खेल वाले हिस्सों की सिनेमैटोग्राफी के लिए अमित ने फ्योदोर ल्यास की मदद ली है और शुरू में थोड़ी सुस्त सी लगती फिल्म इंटरवल के बाद जब रफ्तार पकड़ती है तो दर्शकों को परदे से आंखें हटाने का मौका ही नहीं मिलता और यहीं फिल्म का संपादन करने वाले देव राव जाधव का काम निखरकर सामने आता है। फिल्म अच्छी बन पड़ी है और देश में फुटबॉल के प्रेमियों की संख्या भी 'हिप हुप हुर्रे' के रिलीज होने के साल 1984 के 40 साल बाद कई गुना बढ़ चुकी है। फिल्म टेलीग्राम और दूसरी तमाम देसी-विदेशी वेबसाइट्स पर लीक हो चुकी है। लेकिन, इस फिल्म का असली मजा सिनेमाघरों में ही है।

अनीस बज्मी की हॉरर फिल्म में आयुष्मान खुराना की एंट्री? यह होगा फिल्म का नाम

फिल्म निर्माता-निर्देशक अनीस बमी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस बीच खबर है कि वह एक और हॉरर फिल्म पर काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अनीस की इस हॉरर फिल्म में आयुष्मान खुराना नजर आ सकते हैं। इस फिल्म का नाम भूतियापा बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि अनीस और आयुष्मान इस प्रोजेक्ट के लिए बातचीत कर रहे हैं। अभी इसका आधिकारिक एलान नहीं हुआ है।

निर्देशक अनीस बमी भूल भुलैया 3 के अलावा नो एंट्री 2 पर भी काम कर रहे हैं। हालांकि, फिलहाल उनका पूरा ध्यान भूल भुलैया 3 पर है, जिसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके अलावा विद्या बालन और तृप्ति डिमरी भी अहम किरदारों में दिखेंगी। चर्चित फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म को हर तरह से शानदार बनाने के लिए मेकर्स तैयारियों में जुटे हैं। नो एंट्री 2 की बात करें तो इसमें वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ नजर आएंगे। कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू के दौरान आयुष्मान से अनीस बमी के साथ काम करने को लेकर सवाल किया गया था। इस पर अभिनेता ने कहा था, अब यह कैसे मैं बताऊं। जब कुछ होगा तो जरूर बताऊंगा। आयुष्मान के वर्क फ्रंट की बात करें तो बीते वर्ष वह ड्रीम गर्ल 2 में नजर आए। फिलहाल अभिनेता का फोकस अपने म्यूजिक करियर पर है। हाल में उन्होंने देश के अग्रणी संगीत लेबल वार्नर म्यूजिक इंडिया से हाथ मिलाया है। उनका गाना अंख दा तारा हाल ही में रिलीज हुआ।आयुष्मान खुराना ने अपने करीब एक दशक के फिल्मी करियर में तरह-तरह के विषयों पर खबरें की हैं और अलग-अलग किरदार अदा किए हैं। कई शानदार फिल्में देने वाले आयुष्मान की अगली फिल्म का दर्शकों को इंतजार है। अगर यह खबर सच साबित होती है और अनीस की फिल्म में अभिनेता नजर आते हैं तो दर्शकों के लिए यह एक तोहफा होगा।

देशी तुवर की कमी से लेमन में मांग बढ़ने की उम्मीद, दाम मजबूत

इंदौर। देशी तुवर की भारी शार्टेज और मांग अच्छी होने के कारण इसके दामों में एकतरफा उछाल बना हुआ है। इसके चलते मिलर्स के लिए भाव अब पड़तल से बाहर हो रहे हैं। मंडी में देशी तुवर निमाड़ी 9800 से 11100, तुवर महाराष्ट्र सफेद 11400-11700, कर्नाटक 11600-11900 रुपये की रेंज में सौदे हो रहे हैं। देशी तुवर से आयातित लेमन तुवर अभी सस्ती मिल रही। ऐसे में लेमन की मांग में सुधार हो सकता है।देशी तुवर महंगी मिलने से सबसे अधिक परेशानी मिलर्स को हो रही क्योंकि तुवर दाल मिलिंग में डिस्पैरिटी नुकसान काफी बढ़ गया है और ऐसे में छोटे और मध्यम मिलर्स को दैनिक मिलिंग में काफी कठिनायों का सामना करना पड़ रहा है। यदि देशी तुवर में तेजी जारी रहती है तो मिलर्स का रुझान सस्ते लेमन तुवर की तरफ बढ़ सकता है जबकि अफ्रीका तुवर का स्टाक अब काफी सीमित है और वह भी काफी महंगा है। तुवर में आई तेजी के बाद तुवर दाल के दाम लगातार बढ़ते जा रही है। इधर, चने कांटे में मिलर्स की पूछताछ बढ़ने और त्योहारी की वजह से आवक कम होने के कारण चने कांटे में सुधार रहा। चना कांटा नीचे में 5800 तथा ऊपर में 5850 रुपये प्रति क्विंटल

Demo Pic

तक बोला गया। 8 अप्रैल तक नाफेड द्वारा चने की राजस्थान में खरीदी 5216, गुजरात में 10016 टन की रही। अभी कुल खरीदी 15232 टन की बताई गई जबकि मध्यप्रदेश और उत्तप्रदेश में भी नाफेड की खरीदी शुरू नहीं हुई है। अन्य दाल-दलहन में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं रहा। कंटेनर में डॉलर चना बढ़कर 40/42 11900, 42/44 11700, 44/46 11400, 58/60 9400, 60/62 9300, 62/64 9200 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। इस साल वार्षिक संग्रहण के लिए रोटी वाला गेहूं खरीदने वालों को बेहतर क्वालिटी के लिए ज्यादा दाम चुकाने पड़ेंगे। दरअसल, मंडी में अभी तीन से साढ़े तीन हजार बोरी गेहूं की आवक है। अच्छे गेहूं की आवक कम है। चंदौसी किस्म तो पहले ही 4000 से 5400 रुपये बिक रहा है। ऐसे में अन्य मिक्स क्वालिटी भी 3000 से ऊपर ही बिकेगी। लिहाजा इस साल रोटी वाले गेहूं के दाम बीते साल से 400 से 500 रुपये ज्यादा चुकाने पड़ेंगे। इंदौर मंडी में मंगलवार को मिल क्वालिटी गेहूं 2400-2450, पूर्णा 2750-2800, लोकवन 2850-2900, मालवराज 2450-2500, मक्का 2225-2250 रुपये बिका। दलहन के दाम - चना कांटा 5800-5950, विशाल 5650-5850, डंकी 5300-5500, मसूर 6000-6025, तुवर महाराष्ट्र सफेद 11400-11700, कर्नाटक 11600-11900, निमाड़ी तुवर 9800-11100, मूंग 9000-9200, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8800-9200, मीडियम 7000-8000, हल्की उड़द 3000-5000 रुपये क्विंटल। दालों के दाम - चना दाल 7800-7900, मीडियम 8000-8100, बेस्ट 8200-8300, मसूर दाल 7250-7350, बेस्ट 7450-7550, मूंग दाल 10550-10650, बेस्ट 10750-10850, मूंग मोगर 11450-11550, बेस्ट 11650-11750, तुवर दाल 13900-14000, मीडियम 14700-14800, बेस्ट 15700-15800, ए. बेस्ट 16700-16800, पैक्ड तुवर दाल नई 17000, उड़द दाल 11200-11300, बेस्ट 11400-11500, उड़द मोगर 11600-11700, बेस्ट 11800-11900 रुपये प्रति क्विंटल।। इंदौर चावल भाव - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-12500, तिबार 10000-11000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9500, मिनी दुबार 7500-8500, मोगरा 4500-7000, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल।

लगातार 15 दिन तेजी का रिकार्ड
सोना 73 हजार रुपये पहुंचा

इंदौर। सोने ने लगातार 15 दिन दामों में तेजी का अनोखा रिकार्ड बनाया है। अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में सोने की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रही। अमेरिकी मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में कटौती की प्रत्याशा में सोने की सुरक्षित मांग बनी हुई है। मंगलवार को कामेक्स पर सोना 2365 डॉलर प्रति औंस और चांदी 11 सेंट बढ़कर 28.17 डालर प्रति औंस पर पहुंच गई। इसके चलते भारतीय बाजारों में लगातार 15वें दिन भी सोने-चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। मंगलवार को इंदौर में सोना कैडबरी नकद में 700 रुपये बढ़कर 73 हजार रुपये प्रति दस ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। वहीं आरटीजीएस में सोना 73850 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। नकद और आरटीजीएस के दामों का अंतर कम होने लगा है। वहीं चांदी चौरसा 400 रुपये बढ़कर 80400 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव बिगड़ने की आशंकाओं ने, विशेष रूप से ईरान द्वारा इज़राइल के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की धमकी के बाद सोने की सुरक्षित मांग को काफी हद तक बढ़ गई है। रूस

और यूक्रेन के बीच जारी झड़पों ने भी सुरक्षित पनाहगाह की मांग को प्रभावित किया है। हाल ही में ज़ापोरीज़िया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए हमलों से वैश्विक चिंता पैदा हो गई है। इस वजह से सोने की मांग राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जोरदार बनी हुई है। कामेक्स सोना ऊपर में 2365 तथा नीचे में 2336 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 28.17 व नीचे में 27.74 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। सोना कैडबरी रवा नकद में 73000 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 73850 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) (आरटीजीएस) 67700 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। सोमवार को सोना 72300 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 80400 रुपये, चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 84000 रुपये तथा चांदी टंच 80500 रुपये प्रति किलो बोली गई। सोमवार को चांदी 80000 रुपये पर बंद हुई थी। उज्जैन सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम सोना स्टैंडर्ड 73100 रुपये तथा सोना रवा 73000 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 80600 रुपये तथा चांदी टंच 80500 रुपये प्रति किलो रही। सिक्का 800 रुपये प्रति नग रहा।

शार्टेज से नारियल सात दिन में 400 रुपये प्रति बोरी हुआ महंगा

इंदौर। नारियल में नवरात्र की भरपूर खरीदी निकलने और बाजार में माल की भारी शार्टेज होने के कारण कीमतों में एकतरफा तेजी बनी हुई है। नारियल में पिछले एक सप्ताह में करीब 300-400 रुपये प्रति बोरी की तेजी आ चुकी है। नारियल के उत्पादक केंद्र केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में गर्मी का दबाव बढ़ने के कारण नारियल का स्टाक बेहद कमजोर है। वहीं, त्योहार की वजह से उत्पादक केंद्रों पर नारियल की डिमांड चारों तरफ से आने से वहां कीमतें बढ़ाकर बोली जा रही है, जिसका असर इंदौर मार्केट पर भी देखा जा रही है। नारियल में अभी पांच-सात दिन मांग अच्छी रहने की उम्मीद है। नारियल की आवक मात्र दो गाड़ी की रही। इधर, शकर में भी त्योहारी और वैवाहिक मांग का दबाव जोरदार रहने से भाव में एकतरफा तेजी की स्थिति बनी हुई है। मंगलवार को इंदौर में शकर के दाम बढ़कर नीचे में 3825 तथा ऊपर में 3900 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गए। महाराष्ट्र की अधिकांश शकर मिलें टेंडर ऊंचे दामों पर जारी कर रही है जिससे तेजी को सपोर्ट मिल रहा है। शकर की आवक सात गाड़ी की रही। खोपरा बूरे में वैवाहिक सीजन वालों की मांग जोरदार बनी हुई है, जिससे इसके दाम मजबूती पर टिके हुए है। खोपरा गोले में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं रहा। नारियल 120 भरती 2000-2100, 160 भरती 2100-2150, 200 भरती 2100-2150, 250 भरती 2100-2150 रुपये प्रति बोरी के भाव रहे। खोपरा गोला बक्सा 120-140 कट्टे 110-111 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2375-4450 रुपये प्रति (15 किलो) के भाव रहे। शकर-गुड़ के दाम - शकर 3825-3900, गुड करेली कटोरा 3700-3800, लड्डू 3900-4000, गिलास एक किलो 4600-4800, भैली 3500-3600 रुपये प्रति क्विंटल। नारियल - नारियल 120 भरती 2000-2100, 160 भरती 2100-2150, 200 भरती 2100-2150, 250 भरती 2100-2150 प्रति बोरी और खोपरा गोला बक्सा 120-140, कट्टे 110-111 रुपये प्रति किलो और खोपरा

Demo Pic

बूरा 2375-4450, नारियल-बूरा अल्पाहार (1 किलो) 2750 प्रति 15 किलो। फलाहारी के दाम - साबूदाना सच्चासाबू एगमार्क (500 ग्राम) 7740, सच्चासाबू खीरदाना 7600, सच्चासाबू चीनीदाना 7830, सच्चासाबू फूलदाना 8190, साबूदाना चक्र एगमार्क 7440, शिवज्योति (1 किलो) 7360, गोपाल लूज (25 किलो) 6950, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम) 9790 प्रति क्विंटल। रायल रतन सच्चामोती (1 किलो) 7250, रायलरतन सच्चामोती (500 ग्राम) 7310 व लूज 6750, रायलरतन सच्चामोती पोहा एक किलो 5350 व 35 किलो पैकिंग में 4700, रायलरतन मोरधन (आधा किलो) 10500 रुपये। पूजन सामग्री - केसर 180-188 ब्रांडेड 210-213, देशी कपूर 550 से 750, ब्रांडेड कपूर 750 से 800, पूजा बादाम 110 से 125, बेस्ट 175 से 190, पूजा सुपारी 475, अरीठा 130, सिंदूर (25 किलो) 7400 रुपये। मसालों के दाम - हल्दी निजामाबाद 180 से 210, हल्दी लालगाय 275-280 कालीमिर्च गारबल 555 से 565 एटम 575 से 580, मटरदाना 590 से 625, जीरा ऊंझा 290 से 310, मीडियम 320 से 340 बेस्ट 360-370 सौंफ मोटी 95 से 125, मीडियम 175 से 225, बेस्ट 355 से 375, बारीक 350-400 , लौंग मीडियम 850 से 900, बेस्ट 950-965 सौंठ 295 से 325 बेस्ट 375 से 400, दालचीनी 245-255, जायफल 580-650, बेस्ट 700 जावत्री 1900-1950, बड़ी इलायची 1375-1425, मीडियम 1475-1575 और बेस्ट 1625-1675, पत्थरफूल 351 से 375, बेस्ट 475, बाद्यान फूल 550 से 575, बेस्ट 750-775 शाहजीरा खर 350 से 360, ग्रीन 600-611, तेजपान 91-101, नागकेसर 750 से 775, धोली मूसली 2100 से 2250, सिंघाड़ा छोटा 90-105 बड़ा 115 हींग वनदेवी दाना751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875-925 , हरी इलायची 1850-1900 मीडियम बोल्ड 2050 से 2100 बोल्ड 2250-2350 बेस्ट ए बोल्ड 2400-2650 और सफेद तिल्ली 178-195 बेस्ट 200-220 रुपये। सूखे मेवों के दाम - काजू डब्ल्यू 240 नंबर 760-800, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 680 से 700, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 670-680, काजू जेएच 590-600 टुकड़ी 530-550, बादाम 550-570 बेस्ट 640-660 आस्ट्रेलियन बादाम बेस्ट 625-750 खसखस मीडियम 650-725 बेस्ट 1125-1225 तरबूज मगज 750-760 खारक 115-135 मीडियम 145 से 175 बेस्ट 225 से 250 ए. बेस्ट 301 किशमिश कंधारी 420 से 470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140 से 150 बेस्ट 170 से 190 , चारोली 1485 से 1550, बेस्ट 1600 मुनक्का 450 से 550 बेस्ट 650 से 900, अंजीर 750 से 900 बेस्ट 1150 से 1450 मखाना 650 से 785, मीडियम 825 से 875 बेस्ट 900-925, पिस्ता 1300-1450 ईरानी 1500-1600, नमकीन पिस्ता 850-1000 अखरोट 450 से 500, बेस्ट 550 से 650, अखरोट गिरी 700 से 1050 जर्दालू 250 से 350, बेस्ट 450 से 550 गोंद नाइजीरिया 180-250, गोंद धावड़ा 400-700 रुपये।

खेल

क्या टी20 वर्ल्ड कप में ऋषभ पंत को मिलेंगा मौका? जानिए कब होगा टीम का ऐलान

नई दिल्ली । IPL 2024 के रोमांचक मुकाबलों के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 को लेकर बड़ी खबर आ रही है. टूर्नामेंट के लिए जल्द ही भारतीय टीमका ऐलान होने वाला है, जिसमें स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भी जगह मिल सकती है. पंत IPL में विकेटकीपिंग में भी कमाल कर रहे हैं तो बैटिंग में भी वो लय में लौटते नजर आ रहे हैं. दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत ने लगातार दो फिफ्टी लगाई हैं। इस समय क्रिकेट फैन्स इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में रोमांचक मुकाबलों का मजा ले रहे हैं. मगर इसी बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है. टूर्नामेंट के लिए जल्द ही भारतीय टीम का ऐलान होने वाला है, जिसमें स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भी जगह मिल सकती है. बता दें कि 30

दिसंबर 2022 की रात को ऋषभ पंत कार एक्सीडेंट का शिकार हुए थे. इसके बाद वो लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहे. मगर अब उन्होंने आईपीएल से वापसी की और धांसू अंदाज में रन बनाए हैं। क्यों खास थी ऋषभ पंत की ये पारी?

मगर इसी बीच आजतक को जानकारी मिली है कि टी20 वर्ल्ड कप के लिए ऋषभ पंत को भी टीम में सेलेक्ट किया जा सकता है. सूत्रों की मानें तो पंत के अलावा कई खिलाड़ियों पर बीसीसीआई सेलेक्टर्स की पैनी नजर है। पंत IPL में विकेटकीपिंग में भी कमाल कर रहे हैं तो बैटिंग में भी वो लय में लौटते नजर आ रहे हैं. दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत ने लगातार दो फिफ्टी लगाई हैं। इस महीने की आखिरी तारीख को होगी बैठक

सूत्रों ने बताया कि ऋ षभ पंत अपनी फॉर्म दिखा रहे हैं और आगे देखेंगे कि वो कितने फिट रहते हैं, मगर फिलहाल वो ठीक नजर आ रहे हैं. टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए कई प्लेयर्स पर चयनकर्ताओं की पैनी नजर है, जिसमें से पंत भी एक हैं. बता दें कि इस साल टी20 वर्ल्ड कप जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेला जाएगा। टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा ही करेंगे. टूर्नामेंट के लिए इस महीने के आखिर में भारतीय टीम का ऐलान होगा. सूत्रों के मुताबिक, इस महीने की आखिरी तारीख यानी 30 अप्रैल या फिर मई के पहले दिन चयनकर्ताओं की मीटिंग हो सकती है. उसके बाद वर्ल्ड कप के लिए टीम का ऐलान होगा।

आज अपना अंतिम लीग मैच में खेलेंगे ईस्ट बंगाल और पंजाब एफसी

नई दिल्ली । ईस्ट बंगाल एफसी और पंजाब एफसी आज शाम यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 का अपना अंतिम लीग मैच खेलेंगे। इस मैच में जीत से ईस्ट बंगाल की प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की संभावना उज्जवल हो जाएगी, जिससे वो 22 मैचों के अंत में 27 अंकों तक पहुंच जाएगी। वो थोड़ा बेहतर स्थिति में है क्योंकि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी (23) या चेन्नइयन एफसी (24) जब आज शाम को भिड़ेंगे, जिसके परिणामस्वरूप कोई एक या फिर दोनों ही अंक गंवाएंगे। कार्लेस कुआड्रात की देखरेख में ईस्ट बंगाल ने अपने पिछले दोनों मैच जीतकर हालात अपने पक्ष में किए हैं। इसके विपरीत, पंजाब एफसी के पास एक समय, शीर्ष छह में जगह पक्की करने का मौका था। लेकिन,

उसने अपने पिछले पांच मुकाबलों में 15 में से 11 अंक गंवा दिए और उनका प्लेऑफ अभियान पटरी से उतर गया। पंजाब ने 21 मैचों से 21 अंक अर्जित किए हैं। पंजाब एफसी के ग्रीक हेड कोच स्टाइकोस वेरगेटिस ने मंगलवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यहां समर्थन जबर्दस्त रहता है, और हम आगामी मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। ईस्ट बंगाल एफसी के स्पेनिश हेड कोच कार्लेस कुआड्रात ने कहा, हमें अगले मैच के लिए अच्छे से तैयार रहने की जरूरत है। फुटबॉल अक्सर बहुत ज्यादा शारीरिक खेल होता है और हम कुछ दिनों में शीर्ष टीमों से खेल रहे हैं, इसलिए हमें तैयार रहने की जरूरत है। बता दें कि दोनों टीमों के बीच अब तक केवल 1 मैच खेला गया है और वो भी ड्रा रहा है।

राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-25 के उद्घाटन संस्करण का पहला चरण 30 अप्रैल से

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने मंगलवार को राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024 - 2025 का अनावरण किया, जो देश के खेल परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। लीग को दो चरणों में संरचित किया गया है, उद्घाटन चरण 30 अप्रैल से 9 मई 2024 तक रांची, झारखंड में होगा। इस चरण के सभी मैच मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे, जहां हाल ही में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर और महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी आयोजित की गई थी। राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग भारत में अपनी तरह की पहली घरेलू महिला लीग है, जो प्रतिभा और कौशल के शानदार प्रदर्शन का वादा करती है। उभरते एथलीटों के लिए एक मंच प्रदान करने और देश में महिला हॉकी के कद को ऊंचा करने के उद्देश्य से, लीग में शीर्ष राज्य टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी, जो 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शीर्ष आठ में रहीं।

विश्व एथलेटिक्स रेस वॉकिंग टीम चैंपियनशिप 2024 के एंबेसडर बने रॉबर्ट कोरज़ेनिओस्की

नई दिल्ली । पोलैंड के पूर्व दिग्गज रेसवॉकर रॉबर्ट कोरज़ेनिओस्की को 21 अप्रैल को होने वाली विश्व एथलेटिक्स रेस वॉकिंग टीम चैंपियनशिप अंताल्या 24 का एंबेसडर बनाया गया है। कोरज़ेनिओस्की चार बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं, जिन्होंने तीन विश्व खिताब भी जीते हैं। 2004 में विश्व रेस वॉकिंग कप में 20 किमी रजत पदक जीतने वाले कोरज़ेनिओस्की ने मंगलवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स के हवाले से कहा, मुझे विश्वास है कि हमारा मेजबान तुर्की न केवल अपने सुंदर आतिथ्य से हमें खुश करेगा, बल्कि अपना उत्कृष्ट खेल पक्ष भी दिखाएगा। 1996 में अटलांटा में 50 किमी रेस वॉक में अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण जीतने के बाद, कोरज़ेनिओस्की चार साल बाद सिडनी में खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाले पहले एथलीट बने, साथ ही उन्होंने इतिहास रचते हुए उसी ओलंपिक में 20 किमी रेस वॉक भी जीता।

उन्होंने 2004 में एथेंस में अपना लगातार तीसरा ओलंपिक 50 किमी रेस वॉक खिताब जीता। उन्होंने 1997 में एथेंस और 2001 में एडमोंटन में विश्व खिताब जीता। इसके बाद उन्होंने रिकॉर्ड 3:36:03 के समय के साथ 2003 में पेरिस में अपना तीसरा विश्व खिताब जीता। अपने करियर के दौरान शानदार वैश्विक सफलता का अनुभव करने के बाद, कोरज़ेनिओस्की पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने के लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ प्रयास को देखने के लिए उत्सुक हैं। अंताल्या के कार्यक्रम में न केवल सीनियर 20 किमी दौड़ और अंडर-20 वर्ग में 10 किमी स्पर्धाएं शामिल हैं, बल्कि इसमें पहली बार मैराथन रेस वॉक मिश्रित रिले भी शामिल है। पुरुष और महिला टीमें 12.195 किमी (पुरुष), 10 किमी (महिला), 10 किमी (पुरुष) और 10 किमी (महिला) स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे। अंताल्या में समापन करने वाली पहली 22 टीमें पेरिस में ओलंपिक में मैराथन रेस वॉक मिश्रित रिले के लिए स्वचालित रूप से अर्हता प्राप्त कर लेंगी। उन पहली 22 टीमों में से पाँच तक एक ही देश की दूसरी टीम हो सकती हैं।

मां राजराजेश्वरी मंदिर प्रांगण में शुरू हुआ 15 दिवसीय मेला

प्रतिदिन सुबह 5 बजे व रात 9 बजे माता की आरती की जाएगी

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, गुड़ी पड़वां पर हिंदू नववर्ष के साथ चैत्र नवरात्रि की शुरूआत हो गई। मंगलवार को शुभ मुहूर्त में देवी मंदिरों में घट स्थापना की गई। वहीं शाम को मां राजराजेश्वरी मंदिर प्रांगण में 15 दिवसीय मेले का आयोजन भी शुरू हो गया। इस बार भी मंदिर में विशेष विद्युत सज्जा की गई है, जो आकर्षण का केंद्र है।

मंगलवार को शुभ मुहूर्त में विधायक अरूण भीमावद, कलेक्टर ऋजू बाफना, एसपी यशपालसिंह राजपूत, नपाध्यक्ष प्रेम जैन, उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी, एसडीएम मनीषा वास्कले, एएसपी टीएस बघेल, सीएमओ मधु सक्सेना, सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर, मंदिर समिति सदस्य रूपकिशोर नवाब, पुजारी अशोक नागर, सुनील नागर, नपा सभापति और पार्षदों की उपस्थिति में विधि-विधान के साथ घट स्थापना की गई। इसके बाद सभी अतिथियों ने माता की आरती कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालू भी उपस्थित थे। मां राजराजेश्वरी मंदिर में नवरात्रि के नौ दिनों तक माता का विशेष श्रृंगार व पूजन किया जाएगा। प्रतिदिन सुबह 5 बजे व रात 9 बजे माता की आरती की जाएगी। नवरात्र प्रारंभ होते ही देवी मंदिर में भक्तों का तांता भी

लगने लगा है। धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ मंदिर परिसर में बहुप्रतीक्षित मेले का आयोजन भी शुरू हो गया है। जहां नगर सहित आसपास के जिले से भी व्यापारी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके है। केवल झूले ही नहीं बल्कि रोजमर्रा सहित मनोरंजन के विभिन्न साधन लेकर भी अन्य शहरों के कई व्यापारी यहां पहुंचे हैं, जिन्हें उचित स्थान देने के लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। मेले में झूले सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र रहेंगे। क्योंकि प्रतिवर्ष झूलों पर ही लोगों की सबसे अधिक निगाहें रहती है। मेला आयोजन समिति सदस्यों का कहना है कि इस बार भी जिलेवासियों के लिए ब्रेक डांस, चकरी, पालकी झूला सहित कई नए झूले मेले में आए है। मेले में बच्चों के पसंदीदा भी दर्जनों झूले व मनोजरंजन के साधन उपलब्ध हैं।

यहां भी हुई घट स्थापना...

शहर के नई सड़क स्थित अतिप्राचीन बिजासन माता मंदिर में भी शुभमुर्हूत में घट स्थापना की जाएगी। हरायपुरा विजयश्री हनुमान मंदिर के पास स्थित बिजासन माता मंदिर में नवरात्रि पूजा-अर्चना व घट स्थापना के साथ मनाई जाएगी। रेलवे कॉलोनी स्थित कालका माता मंदिर में भी मंगलवार सुबह घट स्थापना की गई। दुपाड़ा रोड स्थित चामुंडा माता मंदिर पर भी नवरात्रि के मौके पर विद्युत सज्जा की गई है और यहां भी घट स्थापना हुई और प्रतिदिन यहां भी नवरात्रि के नौ दिनों तक भक्तों का तांता लगेगा। इसी प्रकार पतोली रोड स्थित प्रसिद्ध लालबाई-फूलबाई माता मंदिर में घट स्थापना के साथ धार्मिक आयोजनों का दौर शुरू हो गया।

हिंदू नववर्ष की हुई शुरुआत

हिंदू नववर्ष की भी मंगलवार से शुरूआत हो गई और लोगों ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर तो बड़ों से आशीर्वाद लेकर नववर्ष की शुभकामनाएं दी। पूरे जिले में हिंदू समाजजन हिंदू नववर्ष का स्वागत बांहे फैलाकर किया। हिंदूवादी संगठन के सदस्य लोगों को तिलक लगाकर रक्षासूत्र बांधे गए। वहीं धनिया, गुड़ और नीम के मिश्रण से तैयार प्रसाद भी वितरित किया गया। तो महाराष्ट्रीयन समाज ने भी गुड़ी पड़वा पर्व मनाया गया तथा समाज के प्रत्येक घर में महिलाएं गुड़ी बनाकर उसका पूजन किया और विशेष प्रसादी का भी भोग लगाकर उसका वितरण किया गया।

कटनी में जीआरपी पुलिस को मिली बड़ी सफलता

21 किलो 736 ग्राम चाँदीकी जप्त जिसकी, कीमत लगभग 1738880 रूपये

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, आगामी लोक सभा चुनाव के मद्दे नजर ट्रेन मे चेकिंग करते हुए ट्रेन क्रमांक 18478 उत्कल एक्सप्रेस से चेकिंग के दौरान दमोह से कटनी आ रहे ट्रेन के कोच नं बी 2 गेट के पास एक व्यक्ति को जीआरपी पुलिस के द्वारा ट्राली बैग के साथ पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति शैलेंद्र जैन पिता शीतल चंद्र जैन उम्र 35 साल निवासी वर्धमान कालोनी सूबेदार वार्ड थाना मोतीनगर जिला सागर नें बताया की ट्राली बैग में चाँदी के जेवर है। अलग-अलग प्लास्टिक एवं पालिथिन पन्नी मे चाँदी के जेवर पाए गए जिसमे.एक प्लासटिक के डिब्बे के अंदर चाँदी जैसी सफेद धातु के कर्धने पन्नीयों के अंदर वजन 2 किलो 338 ग्राम, एक प्लासटिंक के डिब्बा के अंदर चाँदी जैसी सफेद धातु के कर्धने पन्नीयों के अंदर वजन 2 किलो 838 ग्राम, एक सफेद पन्नी के अंदर चाँदी जैसी धातु की पायलें वजनी 6 किलो 124 ग्राम,एक नीले कलर की पन्नी के अंदर चाँदी जैसी सफेद धातु के बैल्ट

वजनी 2 किलो 480 ग्राम, एक गुलाबी कलर के पन्नी के अंदर चाँदी जैसी सफेद धातु के चैन वजनी 540 ग्राम,एक सफेद पन्नी के अंदर चाँदी जैसी सफेद धातु के हाफ कर्धन वजनी 5 किलो 268 ग्राम, एक सफेद पन्नी के अंदर छोटे बच्चो के चाँदी जैसे सफेद धातु के हाथ के कडे वजनी 1 किलो 238 ग्राम,एक सफेद पन्नी के अंदर चाँदी जैसी सफेद धातु के हाथ के कडे वजनी 510 ग्राम, मय अंजना ज्वेलर्स नाम की पुरानी तीन रशीदे चाँदी के कुल जेवरात वजनी 21 किलो 736 ग्राम कीमती लगभग 1738880 रूपये की जब्त की गई।

इस कार्यवाही में उप निरीक्षक अनील मारावी, प्र आर मनोज मिश्रा, प्र आर 293 रघुराज सिंह परमार, आर 439 नरेश कुमार, आर 565 मुकेश पान्डेय की अहम भूमिका रही।

राजस्थान में मिली नाबालिग की लोकेशन, अकोदिया पुलिस ने किया बरामद, आरोपी गिरफ्तार

दो माह पहले किया था नाबालिग का अपहरण

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, पुलिस ने दो माह पहले अपहृत हुई नाबालिग को राजस्थान से आरोपी के कब्जे से दस्तयाब कर उसे परिजनों के सुपुर्द किया है। आरोपी दो माह पहले नाबालिग को अपने साथ अपहरण कर ले गया था। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार 16 फरवरी को फरियादी शिव पिता करणसिह भिलाला निवासी ग्राम मितेरा ने शिकायत की कि उसकी नाबालिक भानेज को कोई व्यक्ति अपहरण कर ले गया है। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना मे लिया। इसके बाद एसपी यशपालसिंह राजपूत, एएसपी टीएस बघेल व एसडीओपी पिन्टु कुमार बघेल के निर्देशन में टीम गठित कर अपहर्ता की तलाश हेतु लगाया गया। टीम के लगातार प्रयास व सायबर सेल की सहायता से पुलिस को अपहर्ता के जेसलमेर राजस्थान तरफ होने की जानकारी लगी। इस पर पुलिस ने 05 अप्रैल को टीम गठित कर जेसलमेर राजस्थान रवाना किया

गया और टीम ने फतेसर जिला जेसलमेर राजस्थान 1000 किलोमीटर दुर से अपहर्ता नाबालिक लडकी को आरोपी राजु पिता प्रीतमसिंह भीलाला (23) निवासी टाण्डी जिला झालावाड के कब्जे से नाबालिग को 06 अप्रैल को दस्तयाब किया और अकोदिया लौटे। इसके बाद पीडिता के कथनों के आधार पर पुलिस ने प्रकरण मे धारा 366, 376(3), 376(2)(एन), भादवि, 3/4, 5 (एल) /6 पास्को एक्ट बढाई गई। आरोपी को गिरफ्तार कर शुजालपुर न्यायालय पेश किया गया जहां से आरोपी को जेल भेजा गया। इस कार्रवाई में उक्त सराहनीय कार्य मे थाना प्रभारी रामकिशन गौड, उप निरीक्षक दीपेश व्यास, सउनि रामू विश्वकर्मा, प्रधान आरक्षक विपिन तोमर, आनंद शर्मा, रामबहादुर, बलराम यादव, आरक्षक रवि रघुवंशी, होकम कारपेन्टर एंव सायबर सेल के प्रधान आरक्षक विकास तिवारी, आरक्षक अनिल, घनश्याम एंव राजेश दांगी की महत्वपूर्ण भुमिका रही।

फिर अयोध्या बनी मां राजराजेश्वरी की नगरी, भगवा ध्वज से सजा नगर

हिन्दू युवा संगठन ने निकाली भव्य श्री राम शोभायात्रा

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु के आगमन से मां राजराजेश्वरी की नगरी अयोध्या बन गई थी। वही नजारा शहर में मंगलवार को फिर देखने को मिला जब हजारों राम भक्त प्रभु का जयकारा लगाते हुए नगर से निकले तो पूरा शहर राम जी के रंग में रंग गया। मंगलवार को हिन्दू युवा संगठन द्वारा निकाली गई प्रभु श्री राम की भव्य शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में प्रभु के भक्त शामिल हुए। जिनका जगह-जगह स्वागत किया गया। शोभायात्रा की शुरूआत महूपुरा चौराहा से हुई। जो धानमंडी, किलारोड, आजाद चौक, राधा टॉकीज चोराहा, नइ सड़क, गवली मोहल्ला, बस स्टैंड, टेंशन चौराहा, काछीवाड़ा, सोमवारिया बाजार, कंस चौराहा, वजीरपुरा, धानमंडी, ओंकारेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। जहां-जहां से भी

शोभायात्रा गुजरी वहां की सड़कें फूलों से सज गई तो वातावरण भी श्री राम मय हो गया। तो शहर में सैकड़ों स्वागत द्वार भी सजाए गए जहां उपस्थित युवाओं की टोली ने राम भक्तों के उत्साह को चार गुना बढ़ा दिया। बता दें कि हिन्दू युवा संगठन द्वारा पिछले कई वर्षों से भव्य श्रीराम शोभायात्रा निकाली जा रही है। जो इस बार भी धूमधाम से निकाली गई। डीजे की धुन पर बजी रामधुन पर झूमी भक्तों की टोली

शोभायात्रा में युवाओं की टोली के साथ डीजे भी शामिल था, जिस पर बज रही रामधुन सहित भक्तिमय भजनों की धुन राम भक्तों का उत्साह और बढ़ा रही थी। यही वजह थी कि पूरी शोभायात्रा मार्ग पर रामभक्त झूमते-गाते शामिल हुए ओर पूरा शहर श्री राम की भक्ति में रम गया।

बोहरा समाज ने मनाया ईद का पर्व

नमाज के बाद समाजजनों ने दी एक-दूसरे को बधाई

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, बोहरा समाज द्वारा मंगलवार को ईद का पर्व मनाया गया। ईद की नमाज के बाद समाजजनों ने एक-दूसरे के घर जाकर पर्व की शुभकामनाएं दी। इसके बाद दिनभर बधाईयों का दौर चलता रहा। मंगलवार को नगर की दोनो मस्जिदों में सुबह ईद की नमाज अता की गई। इसके बाद आमिल शेख अली हुसैन नसीम द्वारा समाजजनों को खुतबा पढ़ाया गया। इसके बाद सभी ने एक-दूसरे को पर्व की बधाई दी। सबसे ज्यादा उत्साह छोटे बच्चों में देखने को मिला जो नए-नए कपड़ों में सज-धजकर मस्जिद में पहुंचे और अपने साथियों के साथ पर्व का जश्न मनाया। वहीं समाजजनों ने भी दिनभर एक-दूसरे के घर जाकर एक-दूसरे के साथ पर्व मनाया और सिवंईयों का आनंद लिया।

दानदाताओं के लिए मंदिर समिति ने शुरू की क्यूआर कोड की सुविधा

एचडीएफसी बैंक द्वारा 16 स्थानों पर लगाए गए कोड

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, एबी रोड स्थित मां राजराजेश्वरी माता मंदिर में अब श्रद्धालू ऑनलाईन दान कर सकेंगे। इसके लिए मंदिर परिसर में क्यूआर कोड लगाए गए हैं ताकि जो भी यहां दान कर सके वे ऑनलाईन सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

मां राजराजेश्वरी मंदिर जन-जन की आस्था का केंद्र है जहां जिले ही नहीं बल्कि दूसरे राज्यों से भी श्रद्धालू आकर मां का आशीर्वाद लेते हैं। यहां श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विकास कार्य भी जारी रहते हैं। मंदिर में विकास कार्यों में कई लोग सहयोग करते हैं। चूंकि अब ऑनलाईन पेमेंट की सुविधा सभी दूर लागू है। जिसे देखते हुए मंदिर में भी अब श्रद्धालू ऑनलाईन दान कर मंदिर के विकास और भक्तों की सुविधा हेतु अपना सहयोग दे सकेंगे। इसके लिए कलेक्टर के निर्देश पर मंदिर में क्यूआर कोड की सुविधा लागू की गई है। एचडीएफसी बैंक द्वारा यहां भक्तों के लिए क्यूआर कोड की सुविधा दी गई है ताकि श्रद्धालू मंदिर विकास में सहयोग दे सकें और मंदिर के विकास व भक्तों की सुविधा का क्रम अनवरत जारी रह सके।

वेबसाईट की सुविधा भी मिलेगी

एचडीएफसी बैंक द्वारा मंदिर में ऑनलाईन प्लेटफार्म तैयार किया जाएगा। इसके लिए मंदिर की वेबसाईट भी बनाई जाएगी। बैंक के उपशाखा प्रबंधक स्वप्निल शर्मा ने बताया कि इसके लिए काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि जो भी श्रद्धालू बड़ी राशि मंदिर विकास के लिए दान देना चाहे तो वह वेबसाईट के माध्यम से कर सकता है और यह सुविधा जल्द ही शुरू होगी।

पानदरीबा में लड़ते-लड़ते सांड घुस गए कपड़े की दुकान में, फिर जो हुआ

जबलपुर, डिजिटल डेस्क। पान दरीबा में दो सांड लड़ते-लड़ते एक कपड़के की दुकान में घुस गए। जैसे ही दोनों सांड घुसे वैसे ही अफरा तफरी मच गई। तत्काल जान बचाकर दुकानदार बाहर की ओर भागे। भिड़े सांडों ने पूरी दुकान को अस्त व्यस्त कर दिया। कपड़े बिखर गए। उन्हें रौंदते हुए लड़ने में व्यस्त रहे। दुकानदार और आसपास के लोगों ने किसी तरह पूंछ पकड़कर बाहर निकाला।कुछ लोगों के मोबाइल में वीडियो बनाकर वायरल भी कर दिया इसी तरह शहर के प्रमुख व्यावसायिक स्थल पान दरीबा में दो आवारा सांड की लड़ाई से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। लड़ते हुए दोनों सांड एक कपड़े की दुकान में जा घुसे। कुछ देर में ही दुकान तहस-नहस कर दी। लोगों ने दोनों को

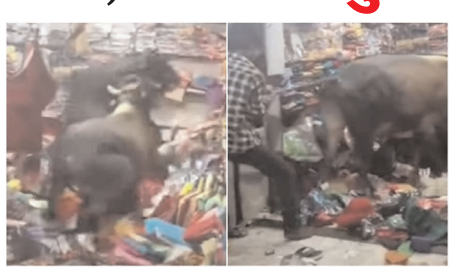

भगाने की कोशिश की लेकिन वह नाकाम रही। काफी देर तक चली लड़ाई के बाद उन्हें दुकान के बाहर करना पड़ा। इस दौरान तमाशीनों का हुजूम लगा रहा कुछ लोगों के मोबाइल में वीडियो बनाकर वायरल भी कर दिया।

दक्षिण भारत में प्रचार सामग्री को लेकर भारी मांग, व्यापारी संगठनों को चुनाव में 600 करोड़ के कारोबार की उम्मीद

सूरत के व्यापारियों को 50 लाख से अधिक झंडे-टोपी, गमछे के ऑर्डर

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर राजनीतिक दलों की तैयारियां शुरू हो गई है। इसी के साथ बाजारों में भी चुनावों को लेकर हलचल तेज हो चली है। गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली और एमपी के कपड़ा बाजार में झंडे, टोपी, गमछा और साड़ी की ऑर्डर मिलने लगे हैं। मध्य प्रदेश और गुजरात में टोपी और झंडे का बड़ा कारोबार है। अब तक सूरत के व्यापारियों को 50 लाख से अधिक झंडे-टोपी, गमछे के ऑर्डर मिल चुके हैं। जबकि राज्यों के व्यापारी संगठनों का कहना है कि लोकसभा चुनाव में कम से कम 600 करोड़ की व्यापार होने की उम्मीद है। इस बार के लोकसभा चुनाव में साड़ी पर राजनीतिक पार्टियों के चिह्न के अलावा नारे भी देखने को मिल रहे हैं। कई

व्यापारी ऐसे भी हैं, जो राजनीतिक दलों के लिए खुद ही बना कर इसका निशुल्क वितरण करते हैं। सबसे अहम बात यह है कि दक्षिण भारत से भी झंडे और टोपी के ऑर्डर ज्यादा मिल रहे हैं। अब तक आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु जैसे राज्यों से ज्यादा डिमांड आ रही है। महाराष्ट्र के बाजारों में राजस्थान और एमपी से ज्यादा डिमांड आ रही है। जबकि दिल्ली में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और जम्मू कश्मीर से ऑर्डर की शुरूआत हो चुकी है। इसी तरह एमपी के थोक विक्रेताओं के पास स्थानीय मांग के अलावा छत्तीसगढ़ से भी ऑर्डर मिल रहे हैं।

राम मंदिर की झलक चुनाव प्रचार सामग्री पर

बाजारों में टोपी, साड़ी के अलावा भगवान राम के त्रिशूल वाले झंडे, थैले, बैग, टी-शर्ट जैसे सामान पर इसका प्रभाव पड़ रहा है। इस साल विभिन्न राज्यों के बाजारों में अयोध्या के राम मंदिर की झलक चुनाव प्रचार सामग्री पर भी देखी जा रही है। भाजपा कार्यकर्ता अपने पार्टी के निशान वाले झंडे से ज्यादा राम नाम के झंडे का इस्तेमाल कर रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि जीएसटी का असर भी चुनाव सामग्री पर दिखाई दे रहा है। इस बार पिछले चुनाव की तुलना में झंडे महंगे मिल रहे हैं।

बढ़ती गर्मी के पीछे का कारण मानव-जनित ग्रीनहाउस गैस, अन्य कारकों में अल नीनो भी शामिल

पिछले 10 महीनों ने गर्मी में बनाए नए रिकॉर्ड, सबसे गर्म माह रहा मार्च

ब्रुसेल्स। दुनिया भर के देशों में पहले से ही अनियमित जलवायु घटनाएं देखी जा रही हैं। जैसे-जैसे ग्लोबल वार्मिंग में बढ़ोतरी हो रही है, इसके ऐतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ने का खतरा मंडराने लगा है। दरअसल, यूरोपीय संघ की जलवायु परिवर्तन निगरानी सेवा का दावा है कि पिछले 10 महीनों में गर्मी ने वैश्विक स्तर पर नए-नए रिकॉर्ड बनाए हैं। हर महीने एक नया तापमान रिकॉर्ड बनाया गया है। वहीं, इस बार दुनिया ने सबसे गर्म मार्च का अनुभव किया। यूरोपीय संघ की कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा (सी3एस) के अनुसार, पिछले 10 माह ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। ये दुनिया के सबसे गर्म महीने रहे हैं। इसके अलावा, मार्च के साथ समाप्त होने वाले 12 महीने भी सबसे गर्म दर्ज किए गए हैं। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 पूर्व-औद्योगिक अवधि में औसत से 1.58 डिग्री सेल्सियस अधिक था। सी3एस के उप निदेशक समान्था बर्गेस ने कहा, ह्यये रिकॉर्ड सामान्य नहीं हैं। इसने हमें बहुत चिंतित किया है। महीने में और महीने के बाद इस तरह के रिकॉर्ड देखना वास्तव में हमें दिखाता है कि हमारी जलवायु तेजी से बदल रही है।

1850 के बाद से 2023 सबसे गर्म साल

उन्होंने कहा कि 1940 से लेकर अब तक के आंकड़ों की जांच की गई। इससे पता चला की इतने वर्षों में इस साल का मार्च सबसे गर्म था। जबकि वैश्विक स्तर पर 1850 के बाद से 2023 सबसे गर्म साल था। इस वर्ष चरम मौसम और असाधारण तापमान देखा गया है।

गर्मी का कारण

अमेजन के जगल में बारिश नहीं होने के कारण सूखे की स्थिति रही। वहीं, जनवरी-मार्च से वेनेजुएला में जंगल में लगी आग ने रिकॉर्ड तोड़ने का काम किया। जबकि दक्षिणी अफ्रीका में सूखे ने फसलों को मिटा दिया और लाखों लोगों को भूख का सामना करना पड़ा। सी3एस ने कहा कि तेजी से बढ़ती गर्मी के पीछे का कारण मानव-जनित ग्रीनहाउस गैस हैं। तापमान को बढ़ाने वाले अन्य कारकों में अल नीनो शामिल है। अल नीनो दिसंबर-जनवरी में चरम पर था और अब कमजोर हो रहा है।

कनाडा में भारतीय मूल के बिल्डर और इंजीनियर को गोलियों से भूना

नई दिल्ली। कनाडा में फिर भारतीय मूल के लोगों पर भारी गोलीबारी हुई है। इसमें एक बिल्डर की मौके पर ही मौत हो गई है। कनाडा के अलबर्टा प्रांत की राजधानी एडमॉन्टन में पंजाब मूल के भारतीय-कनाडाई बिल्डर बूटा सिंह गिल की सोमवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई है। ये गोलीबारी उनके कन्स्ट्रक्शन साइट पर ही हुई, जहां एक और शख्स की मौत हुई है, जबकि तीसरा शख्स गंभीर रूप से जख्मी हुआ है और फिलहाल जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। घायल शख्स की पहचान 51 साल के सिविल इंजीनियर सरबजीत सिंह के रूप में हुई है।

गोलीबारी में मारे गए बूटा सिंह गिल शहर के एक प्रमुख बिल्डर और कंस्ट्रक्शन कंपनी गिल बिल्ट होम्स के प्रमुख थे। गोलीबारी की घटना सोमवार को दिनदहाड़े हुई है। इस घटना ने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है। गिल एक गुरुद्वारा के प्रमुख भी थे। वह भारतीय-कनाडाई संघों से भी जुड़े थे। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में एडमॉन्टन पुलिस ने कहा, ह्यपुलिस सोमवार की दोपहर के आसपास आवासीय क्षेत्र में हुई गोलीबारी की जांच कर रही है और नागरिकों से कैवनघ ब्लव्ड एसडब्ल्यू और 30 एवेन्यू एसडब्ल्यू के क्षेत्र से बचने के लिए कह रही है।ह्व दिनदहाड़े गोलाभारी की यह घटना एक निर्माण स्थल पर हुई, जहां कई आवासीय इकाइयां बनाई जा रही थीं।

वीवीपैट से डाले गए वोटों का हो सत्यापन

सुप्रीम कोर्ट में 16 को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट वीवीपैट मशीन की पर्चियों के मिलान के मामले पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। शीर्ष अदालत का कहना है कि इस मामले में 16 अप्रैल को सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि वह अगले मंगलवार को इस मामले से जुड़ी सभी याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से मांगा था जवाब

कोर्ट ने एक अप्रैल को सामाजिक कार्यकर्ता अरुण कुमार अग्रवाल की याचिका पर चुनाव आयोग और केंद्र से जवाब मांगा था। याचिका में चुनावों में वीवीपैट पर्चियों की पूरी गिनती की मांग की गई थी। तीन अप्रैल को एडीआर की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने मांग की थी कि याचिका पर जल्द सुनवाई की जाए। वरिष्ठ वकील गोपाल शंकर नारायणन भी इस मामले में कोर्ट में पेश हुए थे। उन्होंने कहा था कि चुनाव नजदीक हैं और अगर इस मामले पर सुनवाई नहीं की गई तो यह याचिका निष्फल हो जाएगी। इसके बाद शीर्ष अदालत ने कहा था कि वह अन्य मामलों के साथ एडीआर द्वारा दायर याचिका पर जल्द सुनवाई करेगी।

वीवीपैट पर्चियों से वोटों के मिलान की मांग

सुप्रीम कोर्ट में एसोसिएशन फॉर

डेमोक्रटिक रिफॉर्म्स (अऊफ) ने याचिका दायर कर ईवीएम मशीनों के साथ वीवीपैट (वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (श्श्ढअळ)) पर्चियों का मिलान करने की मांग की थी। वीवीपैट एक स्वतंत्र वोट सत्यापन मशीन है, जिससे पता चलता है कि मतदाता ने जो वोट डाला है, वो सही तरीके से डाला गया है या नहीं। अभी वीवीपैट पर्चियों के माध्यम से सिर्फ पांच कोई भी चयनित ईवीएम के सत्यापन का चलन है। सुप्रीम कोर्ट के वकील और सामाजिक कार्यकर्ता अरुण कुमार अग्रवाल ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर वीवीपैट पर्चियों की पूरी गिनती करने और उनकी ईवीएम से मिलान करने की मांग की है।

11 अप्रैल तक जवाब देने को कहा

हेमा मालिनी पर टिप्पणी को लेकर चुनाव आयोग ने सुरजेवाला को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (ईसी) ने भाजपा नेता हेमा मालिनी के खिलाफ टिप्पणी के लिए कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को नोटिस जारी किया। आयोग ने उन्हें 11 अप्रैल को शाम पांच बजे तक जवाब देने को कहा है। ईसी ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की, ताकि सियासी नेताओं और पदाधिकारियों द्वारा महिलाओं के प्रति सम्मानजनक सार्वजनिक चर्चा सुनिश्चित की जा सके।

ईसी ने कहा कि चुनाव प्रचार को महिलाओं के अपमान का मंच नहीं बनने दिया जा सकता। कांग्रेस अध्यक्ष सभी पार्टी नेताओं द्वारा सार्वजनिक सभा के दौरान महिलाओं के सम्मान और गरिमा को बाए रखने के लिए आयोग की सलाह का कड़ी से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पार्टी द्वारा उठाए गए कदमों पर जवाब देंगे।

महाराष्ट्र में कांग्रेस प्रवक्ता ने दिया इस्तीफा उधर सीएम ने दे दिया अहम पद

मुंबई। महाराष्ट्र में विपक्षी पार्टी और महाविकास अघाड़ी के घटक दल कांग्रेस को झटके पर झटका लग रहा है। अब महाराष्ट्र इकाई के प्रवक्ता राजू वाघमारे ने पार्टी छोड़ दी है। वह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। उन्होंने थाणे में दिवंगत शिव सेना नेता आनंद दिघे के निवास-सह-कार्यालय ह्यआनंद आश्रमह्व में आयोजित एक समारोह में मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली शिव सेना में शामिल होने का ऐलान किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि पार्टी को उनके अनुभव से लाभ मिलेगा। उन्होंने घोषणा की कि वाघमारे शिवसेना के उपनेता और प्रवक्ता होंगे। शिव सेना में शामिल होने के बाद वाघमारे ने दावा किया कि महा विकास अघाड़ी गठबंधन में सीट बंटवारे की बातचीत के दौरान सांगली और भिवंडी लोकसभा सीटों पर मजबूत दावा करने में कांग्रेस विफल रही। इससे पार्टी कार्यकताओं में भ्रम और चिंताएं घर कर गई हैं। वाघमारे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व उद्धव ठाकरे के आगे दब चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अंदर भारी उथल-पुथल मची हुई है।

महा विकास अघाड़ी में सीट बंटवारे पर सहमति बनते ही कांग्रेस में अंदरूनी कलह

मुंबई। लोकसभा चुनाव पास आते ही राजनीतिक दलों के भीतर हलचल तेज हो गई है। जहां एक तरफ भाजपा लगातार ताबड़तोड़ रैलियों को आयोजित कर रही है। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया भी सत्तारूढ़ दल को आड़े हाथ ले रहा है। इस बीच, महाराष्ट्र की राजनीति में सीट बंटवारे को लेकर एक बड़ा एलान हुआ है। महा विकास अघाड़ी के सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है। हालांकि इस फैसले को लेकर कहीं-न-कहीं कांग्रेस के भीतर विरोध के सुर ऊंचे हो रहे हैं। महा विकास अघाड़ी के सीट बंटवारे की घोषणा पर कांग्रेस नेता युवराज मोहिते ने कहा कि हम महाराष्ट्र में एमवीए के रूप में लड़ रहे हैं, लेकिन इस घोषणा से मुंबई कांग्रेस परेशान है।

सेना प्रमुख ने ईद से पहले दिखाई दरियादिली

पाकिस्तान में हिंसा में गिरफ्तार 20 लोगों को किया रिहा

इस्लामाबाद। बीते साल नौ मई को हुई हिंसा के मामले में एक नया मोड़ आया है। दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की गिरफ्तारी के बाद भड़की हिंसा में शामिल कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया था। इन लोगों को सैन्य अदालतों ने सजा दी थी। हालांकि अब ईद को देखते हुए कम से कम 20 लोगों को रिहा कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर द्वारा माफ किए जाने के बाद इन लोगों को छोड़ा गया है।

इंट्रा-कोर्ट अपील (आईसीए) के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रही थी। छह सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान, न्यायमूर्ति मुहम्मद अली मजहर, न्यायमूर्ति सयैद हजहर हसन रिजवी, न्यायमूर्ति शाहीद वाहिद, न्यायमूर्ति मुसरत हिलाली और न्यायमूर्ति इरफान सादत खान शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सोमवार को इन कैदियों को रिहा किया है।

28 मार्च को दिया था आदेश

पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) पार्टी

के प्रमुख खान को गिरफ्तार करने के बाद हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों में कथित शामिल कई लोगों को गिरफ्तार किया था। अब 103 नागरिकों से जुड़े मुकदमे में नया फैसला आया है। 28 मार्च को हुई पिछली सुनवाई के दौरान, अदालत ने सैन्य अधिकारियों को सशर्त रूप से संदिग्धों के फैसले की घोषणा करने की अनुमति दी थी, जिन्हें ईद त्योहार से पहले रिहा किया जा सकता था।

इसलिए किया रिहा

अब सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत रिपोर्ट में कहा गया है कि उसके 28 मार्च के निदेर्शों के अनुपालन में, सैन्य अदालतों को मुकदमे को फिर से शुरू करने की अनुमति दी गई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि 20 लोगों को एक साल की सजा सुनाई गई थी, जिनमें से 17 ने साढ़े 10 महीने और तीन व्यक्तियों ने साढ़े नौ महीने की सेवा की थी। चूंकि उनमें से अधिकांश ने लगभग 10 महीने जेल में बिताए थे, इसलिए सेना प्रमुख ने शेष अवधि माफ कर दी थी। इनमें से चार खैबर पख्तूनख्वा के हैं जबकि अन्य 16 पंजाब के हैं। उन्हें छह और सात अप्रैल को अपने-अपने प्रांतों में रिहा कर दिया गया था।

क्या हुआ था नौ मई को?

दरअसल, 9 मई, 2023 को भ्रष्टाचार एक मामले में इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद देश भर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। खान को अल-कादिर ट्रस्ट मामले में भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट से गिरफ्तार किया था। अधिकारियों का आरोप है कि खान और उनकी पत्नी ने एक चैरिटेबल ट्रस्ट के जरिए एक रियल एस्टेट कारोबारी से रिश्वत के रूप में लाखों डॉलर की जमीन हासिल की। उनकी गिरफ्तारी के बाद लाहौर, कराची और इस्लामाबाद सहित कई शहरों में बड़े पैमाने पर और हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। बड़ी संख्या में पीटीआई कार्यकर्ता कोर कमांडर लाहौर आवास पर घुस गए थे। पंजाब प्रांत में आपातकाल लागू कर दिया गया था और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पाकिस्तानी रेंजर्स को बुलाया गया था। धारा 144 भी लगाई गई थी, जिसके तहत एक बिंदु पर पांच से अधिक लोग इकट्ठा नहीं हो सकते थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569